रसधारा

भाग-1

सेतु पाठ्यक्रम पर आधारित हिंदी की पाठ्यपुस्तक

स्तर-III

कक्षा - 6 एवं 7

2022

शिक्षा का अधिकार

समग्र शिक्षा

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024

ISBN: 978-93-85943-32-4

प्रथम संस्करण: 2015

मार्च, 2022 (संशोधित संस्करण)
© राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

15,500 Copies

प्रकाशक:
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली - 110024

मुद्रक:
मैसर्स राज प्रिंटर्स
ए-9, सैक्टर बी-2, ट्रोनिका सिटी, गाजियाबाद (उ.प्र.)

Rajanish Singh
Director

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356, Fax : +91-11-24332426
E-mail : dir12scert@gmail.com

Date : 22/3/22

D.O. No. : F10(12)/DS/DPA/SCERT/421

सन्देश

शिक्षा सभी बच्चों का मौलिक अधिकार है। अच्छी शिक्षा सदैव बच्चों के उज्जवल भविष्य का निर्माण करती है। यह बच्चों को ज्ञानात्मक सूचनाएं प्रदान करने के साथ बच्चे के मानसिक, शारीरिक और आत्मिक स्तर को सुधारने में भी मदद करती है। शिक्षा प्राप्ति में पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान है।

इसी को ध्यान में रखकर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली ने विशेष प्रशिक्षण केंद्रों के विद्यार्थियों के लिए 18 पाठ्य-पुस्तकों का निर्माण किया है। इन पाठ्य-पुस्तकों का मुख्य उद्देश्य यह है कि 'बच्चे विद्यालय में एवं विद्यालय के बाहर सीखने के लिए प्रोत्साहित हों और उनमें आत्मविश्वास की भावना जागृत हो।' बच्चों की आवश्यकतानुसार इन पुस्तकों में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किये गए है जिससे बच्चों को सरलता एवं रोचकता का अनुभव होगा।

आशा है यह पठन सामग्री बच्चों का मार्गदर्शन कर उनके समग्र विकास में मदद करेगी।

(रजनीश सिंह)

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

Dr. Nahar Singh
Joint Director (Academic)

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Tel. : +91-11-24336818, 24331355, Fax : +91-11-24332426
Tel.: +91-11-24331355, Fax : +91-11-24332426
E-mail : jdscertdelhi@gmail.com

Date : 22/03/2022

D.O. No. : F.11(2) JDB/Acad/Misc./SCERT/2021-22/2187

सन्देश

शिक्षा का अधिकार कानून 2009 के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान है। इसी कानून की धारा 4 के अनुसार विद्यालयी शिक्षा से वंचित बच्चों को विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में शिक्षा लेने का अवसर प्रदान कर उन्हें आयु अनुसार कक्षा के उपयुक्त बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० के अनुसार प्रत्येक 3 से 18 आयु वर्ग के बच्चे को गुणवत्तापूर्ण व समतामूलक शिक्षा प्रदान करने का पूर्ण दायित्व राज्य सरकार का है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति बच्चों में साक्षरता और संख्या ज्ञान जैसी 'बुनियादी क्षमताओं' के साथ-साथ 'उच्चतर स्तर' की तार्किक और समस्या-समाधान संबंधी संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास करने पर बल देने के साथ-साथ शिक्षार्थियों के सभी जीवन पक्षों और क्षमताओं के संतुलित विकास पर भी ज़ोर देती है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा विशेष प्रशिक्षण केंद्र (एस. टी.सी.) के विद्यार्थियों हेतु जिस शिक्षण-अधिगम सामग्री को विकसित किया गया था, उनमें नई शिक्षा नीति के आधार पर छात्रों के समग्र विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सुधार किये गए हैं। इससे बच्चों का सर्वांगीण एवं सर्वोत्कृष्ट विकास होगा जिसके द्वारा बच्चों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर उन्हें परिष्कृत नागरिक बनाया जा सकेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निहित लक्ष्यों के संदर्भ में पाठ्य-पुस्तक को आदर्श बनाने के लिए सभी शिक्षकों का धन्यवाद्।

मुझे पूर्ण आशा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निमित उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कक्षा स्तरीय, पाठ्य पुस्तकें विशेष प्रशिक्षण केंद्रों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होंगी।

सभी बच्चों के लिए मेरी शुभकामनायें।

(डॉ नाहर सिंह)

प्राक्कथन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के व्यापक उद्देश्यों के संदर्भ में नैतिकता, तर्कसंगतता, सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ 21वीं सदी के लिए अनिवार्य कौशलों में महारत हासिल करना वास्तव में महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं सतत विकास एजेंडा 2030 सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता-युक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन-पर्यंत शिक्षा के अवसरों को बढावा दिये जाने के व्यापक लक्ष्य के साथ आज हमारे सामने है। इस नीति के जरिये स्कूल स्तर पर शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार किये गए है। विद्यालय की वर्तमान रूपरेखा 5+3+3+4 के आधार पर तैयार की गयी है जिसमें 12 साल की स्कूली शिक्षा और 3 वर्ष की आंगनवाड़ी/प्री-स्कूलिंग को शामिल किया गया है। नीति में यह परिकल्पना की गई है कि विद्यालयी शिक्षा से वंचित बच्चों को जल्द से जल्द शैक्षिक क्षेत्र में वापस लाना और छात्रों को स्कूल छोड़ने से रोकने के लिए 2030 तक, पूर्वस्कूली शिक्षा से माध्यमिक स्तर तक 100% सकल नामांकन अनुपात प्राप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

शिक्षा का अधिकार कानून 2009 की धारा 4 के अंतर्गत विद्यालयी शिक्षा से वंचित बच्चों को विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में शिक्षा ग्रहण करने का प्रावधान है। इसका उद्देश्य उन्हें आयु-अनुसार कक्षा के अनुरूप शैक्षिक एवं बौद्धिक स्तर पर तैयार करना है। इसी लक्ष्य की प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाते हुए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली ने विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में ज्ञानार्जन करने वाले विद्यार्थियों के लिए विकसित पाठ्यपुस्तकों में आवश्यक सुधार किए हैं जिससे कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली, द्वारा विकसित पाठ्यक्रम पर आधारित इन पुस्तकों का निर्माण अति सरल भाषा का प्रयोग करते हुए किया गया है। इन पाठ्य पुस्तकों को पाठ्यक्रम के अनुसार मूल रूप में ही रखा गया है जिसमें चार स्तर हैं। प्राथमिक कक्षाओं के लिए स्तर एक एवं स्तर दो तथा उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए स्तर तीन एवं स्तर चार हैं। प्राथमिक स्तर पर चार विषय (हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन) की पुस्तकें एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर पाँच विषय (हिंदी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक अध्ययन एवं विज्ञान) की पुस्तकों का निर्माण किया गया है।

मैं इन पुस्तकों के निर्माण एवं पुनरीक्षण में योगदान देने वाले समस्त शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। मैं आशा करती हूँ कि ये पाठ्यपुस्तकें विशेष प्रशिक्षण केंद्रों के शिक्षकों एवं छात्रों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी। ये पुस्तकें केंद्रों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का समग्र विकास करने में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगी।

पुस्तकों में सुधार हेतु आपके अनमोल सुझाव सदैव वांछनीय हैं।

डॉ बिंदु सक्सेना
असिस्टेंट प्रोफेसर
विज्ञान विभाग
पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र संभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली

पुस्तक के बारे में.....

भारत में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे आज भी विद्यमान हैं, जो कई कारणों से विद्यालय में नियमित अध्ययन के लिए नहीं जा पाते या अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देने के लिए विवश हो जाते हैं। ऐसे बच्चे अल्पशिक्षित या अशिक्षित होने के कारण जीवन में अतिरिक्त संघर्ष करने तथा शोषण सहने के लिए विवश होते हैं।

सर्व शिक्षा अभियान के द्वारा सरकार का ध्यान सभी भारतवासियों, चाहे वे किसी भी रंग, जाति, प्रदेश, लिंग के हों, को न्यूनतम शिक्षा प्रदान करने की ओर गया। इसके अंतर्गत जहाँ एक ओर विद्यालयों में नियमित शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को पूर्ण जीवनोपयोगी शिक्षा देने की आवश्यकता थी, तो वहीं दूसरी ओर जो बच्चे कभी विद्यालय नहीं जा पाए या बीच में पढ़ाई छोड़ने पर विवश हो गए, उनके लिए विशेष प्रयास करने भी आवश्यक समझे गए।

इसी क्रम में दिल्ली के सरकारी विद्यालयों में कुछ ऐसे केंद्र खोले गए, जहाँ विद्यालय न जा पाने वाले विद्यार्थियों के लिए उनकी सुविधानुसार पढ़ाई की व्यवस्था की गई। ऐसे अधिसंख्य विद्यार्थी अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु छोटे-मोटे कार्य करने के लिए मानो अभिशप्त हैं। उनके घर में न पढ़ाई-लिखाई का वातावरण है, और न ही कोई उन्हें प्रेरणा, प्रोत्साहन या मार्गदर्शन देने वाला। ऐसे में पाठ्यपुस्तक ही उनकी सच्ची मित्र तथा पथ-प्रदर्शक हो सकती है। इसी सोच का मूर्त रूप हैं- ये पुस्तकें।

'रसधारा' शीर्षक से हिंदी की दो पाठ्यपुस्तकें, भाग-1 कक्षा छह-सात के लिए तथा भाग-2 कक्षा आठ के लिए तैयार की गई हैं। इन पुस्तकों को तैयार करने के लिए जो पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति बनाई गई, उसमें ऐसे शिक्षकों को प्राथमिकता दी गई, जिनका न केवल विद्यालय स्तर पर भाषा-शिक्षण का सुदीर्घ अनुभव हो, अपितु जिनमें साहित्य के सृजन की भी विशेष क्षमता हो।

इस पुस्तक के लिए पाठ चयन करते समय विशेष रूप से उन विद्यार्थियों की स्थिति तथा आवश्यकता को ध्यान में रखा गया है, जो कभी विद्यालय में नियमित अध्ययन के लिए नहीं गए, या जिन्होंने बीच में ही अध्ययन छोड़ दिया। इस उद्देश्य से कुछ पाठ तो प्रतिष्ठित रचनाकारों की रचनाओं को संशोधित-अनुकूलित करके तैयार किए गए तथा कुछ पाठ विशेष रूप से सदस्यों के द्वारा लिखे गए।

पाठों की विषयवस्तु न केवल सरल-सरस है, अपितु विद्यार्थियों के मानसिक, भाषिक एवं सांस्कृतिक विकास में भी सहायक है। इन पाठों के माध्यम से उन्हें जीवन में सकारात्मक चिंतन, समाजोपयोगी व्यक्तित्व विकास की प्रेरणा तो मिलेगी ही, साथ ही वे राष्ट्रप्रेमी आदर्श नागरिक तथा एक सच्चे-अच्छे मानव भी बन पाएँगे, ऐसा विश्वास है।

इस पाठ्यपुस्तक में गद्य-पद्य पाठों का संतुलन, समस्याओं के विश्लेषण तथा समाधान में सक्षम बनाने वाला प्रश्न-अभ्यास, व्यावहारिक-रचनात्मक गतिविधियाँ, शुद्ध वर्तनी-व्याकरण के प्रति सजग भाव इसे सामान्य पाठ्यपुस्तकों से अलग बनाता है। पुस्तक में सर्वत्र भारत सरकार के केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा स्वीकृत मानक वर्तनी को अपनाया गया है, ताकि विद्यार्थी बिना किसी भ्रम या दुविधा के शुद्ध वर्तनी को अपना सकें। पुस्तक को सरस एवं रोचक बनाने के लिए बीच-बीच में उपयुक्त चित्रों का भी प्रयोग किया गया है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, (एस. सी. ई. आर. टी.) दिल्ली इस पुस्तक के निर्माण के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के अध्यक्ष डॉ. रवि शर्मा एवं समिति के सभी सम्माननीय सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती है, जिन्होंने अत्यंत परिश्रम तथा निष्ठा से इस कार्य को संपन्न किया। हम उन सभी रचनाकारों, प्रकाशकों, संस्थाओं एवं संगठनों के भी आभारी हैं, जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री तथा सहयोगियों की मदद हमें उपलब्ध करवाई।

परिषद उन सभी रचनाकारों, प्रकाशकों, संस्थानों के प्रति आभारी है, जिनका इस पुस्तक के प्रकाशन में प्रत्यक्ष या परोक्ष सहयोग प्राप्त हुआ।

आशा है, विद्यार्थी इस पुस्तक की सहायता से अपने कौशलों एवं व्यक्तित्व का समुचित विकास कर सकेंगे तथा हिंदी भाषा एवं साहित्य के साथ स्थायी जुड़ाव बना पाएँगे।

संरक्षक

श्री एच. राजेश प्रसाद, प्रधान सचिव (शिक्षा), दिल्ली

श्री रजनीश सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

शैक्षणिक सलाहकार

डॉ. नाहर सिंह, संयुक्त निदेशक(शैक्षिक), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

पुस्तक निर्माण समिति

नोडल अधिकारी/समन्वयक

डॉ. प्रमिला त्रिपाठी, वरिष्ठ प्रवक्ता, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

विषय सलाहकार

अध्यक्ष, भाषा सलाहकार समिति

डॉ. रवि शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय

लेखक समूह

डॉ. प्रवीण कुलश्रेष्ठ	-	मण्डलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, घुम्मनहेड़ा, नई दिल्ली
डॉ. रेणु श्रीवास्तव	-	राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, त्यागराज नगर, नई दिल्ली
सुषमा भंडारी	-	निगम प्राथमिक विद्यालय, जनक पुरी, नई दिल्ली
डॉ. कुलभूषण शर्मा	-	असि. प्रोफेसर, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
सरिता गुप्ता	-	विद्या विहार विद्यालय, पंचशील गार्डन, दिल्ली
राकेश बहादुर सिंह	-	रा. बा. उ. मा. विद्यालय, नंद नगरी, दिल्ली
डॉ. लीना सिन्हा	-	रा. उ. मा. बालिका विद्यालय, बदरपुर, दिल्ली
डॉ. अरविंद झा	-	राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, लाजपत नगर, नई दिल्ली
राजेंद्र जोशी	-	राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, त्यागराज नगर, नई दिल्ली
डॉ. सुधा शर्मा	-	दिल्ली पब्लिक स्कूल, राम कृष्ण पुरम, नई दिल्ली
हरिशंकर स्वर्णकार	-	राजकीय बाल उ. मा. विद्यालय, वरुण मार्ग, नई दिल्ली
सीमा सक्सेना	-	रा. स. सहशिक्षा विद्यालय, इंद्रप्रस्थ विस्तार, दिल्ली
डॉ. आभा झा	-	सर्वोदय कन्या विद्यालय, आया नगर, नई दिल्ली
नवनीत अग्रवाल	-	रा. बा. उ. मा. विद्यालय, नारायणा, नई दिल्ली

पुस्तक पुनरीक्षण समिति (2021-22)

डॉ. बिंदु सक्सेना (नोडल अधिकारी)	-	असिस्टेंट प्रोफेसर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली
सहयोगकर्ता	-	सुश्री भगवती, बी.आर.पी., राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

पुनरीक्षण समूह

डॉ. प्रवीण कुलश्रेष्ठ	-	असिस्टेंट प्रोफेसर, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, दक्षिण-पश्चिम, घुम्मनहेड़ा नई दिल्ली।
डॉ. नरेश कुमार	-	असिस्टेंट प्रोफेसर, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, दक्षिण-पश्चिम, घुम्मनहेड़ा नई दिल्ली।
श्रीमती सुनीता यादव	-	प्रवक्ता, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मोती बाग, नई दिल्ली।
डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय	-	प्रवक्ता, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कड़कड़डूमा, नई दिल्ली।
डॉ. ममता देवी यादव	-	प्रवक्ता, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कड़कड़डूमा, नई दिल्ली।

प्रकाशन अधिकारी

डॉ. मुकेश यादव, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

प्रकाशन समूह

श्री नवीन कुमार, एससीईआरटी, दिल्ली

सुश्री राधा, एससीईआरटी, दिल्ली

सुश्री नेहा रिज़वाना, बी.आर.पी., एससीईआरटी, दिल्ली

सुश्री फ़ोज़िआ, बी.आर.पी., एससीईआरटी, दिल्ली

विषय सूची

क्र. सं.	पाठ	विधा	रचनाकार	पृष्ठ सं0
1.	सुबह-सवेरे	कविता	ए. कीर्तिवर्धन	1
2.	प्यारा मुर्गा	कहानी	डॉ. राम गोपाल वर्मा	3
3.	पानी	कविता	डॉ. शकुंतला कालरा	7
4.	मछली है या.....?	लेख	डॉ. सुधा शर्मा 'पुष्प'	11
5.	सत्य-डगर पर	गीत	सरिता गुप्ता	15
6.	सपनों का शहर	पत्र	गिरिजेश सिंहल	19
7.	अकबर का न्याय	कहानी	सीमा सक्सेना	23
8.	आओ पेड़ लगाएँ	कविता	डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'	24
9.	मनचाहा उपहार	कहानी	नवनीत अग्रवाल	28
10.	ऊँची चोटी चढ़ना	कविता	डॉ. अरविंद झा	32
11.	पवित्र धन	चित्र कथा	डॉ. सुधा शर्मा 'पुष्प'	35
12.	अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी?	कविता	महादेवी वर्मा	36
13.	मैं हूँ कंप्यूटर	आत्मकथा	गिरिजेश सिंहल	40
14.	आगे बढ़ते जाएँगे	एकांकी	सुषमा भंडारी	44
15.	चाँद का कुर्ता	कविता	रामधारी सिंह 'दिनकर'	48
16.	अमर वीरांगना	प्रेरक प्रसंग	डॉ. रवि शर्मा	52
17.	बच्चों का प्रण	लेख	संकलित	54
18.	नदी ने कहा	काव्य नाटक	नवनीत अग्रवाल	58
19.	नई दिशा	कहानी	सुरम्या शर्मा	64
20.	दोहा पंचक	कविता	कबीर दास	71

1 सुबह-सवेरे

- ए. कीर्तिवर्धन

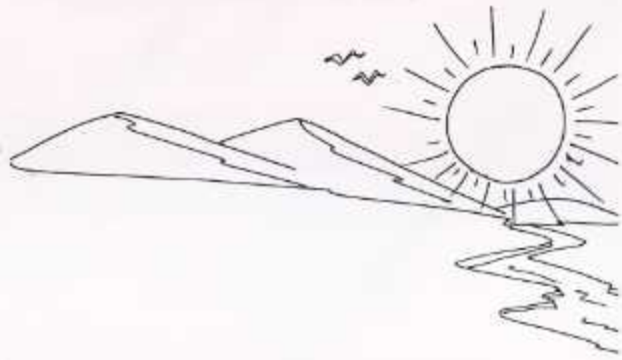

चाहो जीवन में कुछ बनना
सुबह सवेरे जल्दी उठना।
माता-पिता को कर प्रणाम
फिर करना तुम नियमित काम।
पेट साफ़, फिर कुल्ला-मंजन
तब करना स्नान और ध्यान।
प्रात: काल का समय स्वर्णिम
पढ़ना खूब लगाकर ध्यान।
सुबह करो सूर्य प्रणाम,
फिर देखो नज़रों को थाम।
स्वस्थ तन, मन निर्मल होगा,
पूरे होंगे सारे काम।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
प्रात:काल	सुबह
स्वार्णिम	सुनहरा
थाम	रोकना
निर्मल	स्वच्छ

कविता से

1. सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाइए:-

(क) हमें सोकर कब उठना चाहिए-

(i) शाम को (ii) सुबह-सवेरे

(iii) दोपहर में (iv) सुबह 10 बजे

(ख) नहाने से पहले क्या करना चाहिए–

(i) पढ़ाई (ii) सूर्य को प्रणाम

(iii) पेट साफ़ और कुल्ला-मंजन (iv) खेलना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) सुबह जल्दी उठने से क्या लाभ (फ़ायदा) होता है?

(ख) शरीर को साफ़-सुथरा रखने के लिए क्या करना चाहिए?

भाषा की बात

1. इन शब्दों को बोलकर पढ़िए, 'र' के रूप पर ध्यान दीजिए और ऐसे ही दो-दो और शब्द लिखिए–

प्रणाम (्) ....

सूर्य (') ....

2. इन शब्दों में दो वर्णों को जोड़कर लिखा गया है, ऐसे ही दो-दो और शब्द लिखिए–

स्वस्थ स्व ....

कुल्ला ल्ल ....

यह भी जानिए

1. सुबह-सवेरे जब सूर्य उगता है, तब वह लाल रंग का दिखाई देता हैं। सूर्य में सभी रंग होते हैं, लेकिन सुबह के समय हमारी आँखों तक सूर्य का केवल लाल रंग ही पहुँच पाता है। इसलिए हमें सुबह सूर्य लाल दिखता है। इस समय सूर्य को देखने से आँखों की रोशनी अच्छी होती है, लेकिन लालिमा खत्म होने पर सूर्य को नहीं देखना चाहिए क्योंकि ये किरणें आँखों के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

करके सीखिए

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बड़े-बड़े पार्क में योग आसन सिखाए जाते हैं। आप प्रतिदिन प्रात:काल सूर्य नमस्कार कीजिए।

*****

2 प्यारा मुर्गा

- डॉ. राम गोपाल वर्मा

मुर्गे ने बाँग दी-कुकड़ू कूँ...कुकड़ू कूँ... एकता की आँख खुल गई। उसने खिड़की की ओर देखा। वहाँ एक मुर्गा बैठा था। उसने मुर्गे से कहा,''तुमने बहुत अच्छा किया मुर्गे भाई। मुझे जगा दिया। अब मैं समय पर विद्यालय पहुँच जाऊँगी। कल भी आना। आओगे न? मेरे माता-पिता सुबह-सुबह काम पर चले जाते हैं। मुझे सुबह कोई नहीं जगाता है। तुम प्रतिदिन आया करो।'' मुर्गा कुकड़ू कूँ...बोलकर उड़ गया।

अगले दिन भी मुर्गा आया। एकता उठकर रसोई से थोड़े-से गेहूँ के दाने ले आई और मुर्गे के आगे बिखरा दिए। मुर्गा दो-चार दाने खाकर उड़ गया। एकता तैयार होकर विद्यालय चली गई।

अगले दिन छुट्टी थी। मुर्गा आया। मुर्गे ने बाँग दी। एकता उठ गई। वह मुर्गे को अपने कमरे में ले आई। उसने उसे गेहूँ के बहुत सारे दाने दिए। मुर्गे ने केवल दो-तीन दाने उठाए। उसे मुर्गा बहुत अच्छा लग रहा था। वह उसके पंखों को छूती, उसकी लाल चोंच को हाथ लगाती। उसने मुर्गे को गोद में उठा लिया। उसने मुर्गे को खूब प्यार किया। उसके माता-पिता भी मुर्गे को देखकर प्रसन्न हुए। वह दिनभर मुर्गे के साथ खेलती रही। मुर्गे को भी अच्छा लगा।

एक दिन मुर्गा नहीं आया। वह छुट्टी का दिन था। एकता उठी। उसने खिड़की की ओर देखा। वहाँ मुर्गा नहीं था। मुर्गा नहीं आया। एकता की आँखें छलछला गईं। उसने चारों ओर देखा। मुर्गा दिखाई नहीं दिया। वह रोने लगी। उसके हाथ में गेहूँ के दाने थे। वह किसको खिलाए ये दाने, पूरा दिन वह रोती रही।

सूर्य अस्त होने वाला था। वह मुर्गे को ढूँढ़ने घर से निकली। वह वहाँ गई, जहाँ मुर्गा रहता था। मुर्गा वहाँ भी नहीं था। वहाँ आस-पास मुर्गे के पंख बिखरे पड़े थे। उसे वे पंख परिचित से लगे। उसने उन्हें हाथों में उठा लिया। वह रोने लगी। उसे सब समझ आ गया कि अब उसका प्यारा मुर्गा दुनिया में नहीं रहा। अब कौन उसे जगाएगा? वह किसे गेहूँ के दाने खिलाएगी?

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
प्रतिदिन	हर रोज़
प्रसन्न	खुश

अस्त होना	डूब जाना
परिचित	जाना-पहचाना

पाठ से

1. सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाइए–

(क) एकता को सुबह कौन जगाता था–

(i) माता-पिता (ii) बड़ा भाई

(iii) मुर्गा (iv) घड़ी

(ख) मुर्गा एकता के घर में कहाँ बैठता था–

(i) मेज़ पर (ii) खिड़की पर

(iii) छत पर (iv) दरवाज़े पर

(ग) एकता ने मुर्गे को खाने के लिए क्या दिया–

(i) बादाम (ii) चने

(iii) मूँगफली (iv) गेहूँ

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) एकता खिड़की पर किसे देखकर प्रसन्न होती थी?

(ख) मुर्गे के बिखरे पंख देखकर एकता को क्या समझ आ गया?

(ग) आप कैसे कह सकते हैं कि एकता मुर्गे को बहुत प्यार करती थी?

(घ) आप अपने पालतू पशु-पक्षी की रक्षा कैसे करेंगे?

(ङ) यदि मुर्गे काटने वाला एकता के सामने आ जाता, तो वह उससे क्या कहती?

भाषा की बात

1. खुलना – बंद होना

यह शब्द एक दूसरे का उल्टा शब्द हैं। नीचे भी कुछ शब्द दिए गए उन शब्दों के उल्टे शब्द बनाइए –

जागना – ..... परिचित – .....

सुबह	–	.....	उठना	–	.....
दिन	–	.....	अगला	–	.....

विलोम शब्द - जो शब्द उल्टे अर्थ बताते हैं उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।

2. पक्षियों के नाम ढूँढ़कर लिखिए–

क	बू	त	र	
मु	कौ	आ	मो	र
र्गा	ब	त	ख	ग
को	य	ल	ब	रु
उ	चि	ड़ि	या	ड
ल्लू	मै	ना	तो	ता

.....
.....
.....
.....
.....
.....

3. माता और पिता, लड़का और लड़की, मुर्गा और मुर्गी लिंग बताने वाले शब्द कहलाते हैं। माता, लड़की, मुर्गी स्त्रीलिंग और पिता, लड़का और मुर्गा पुल्लिंग कहलाते हैं। इसी प्रकार खाली जगह में सही शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मोर	.....
बिलाव	.....
चूहा	.....
शेर	.....
बकरा	.....

यह भी जानिए

1. उदय का अर्थ है–उगना। अस्त का अर्थ है डूबना। सूर्य के उदय होते हुए समय को सुबह कहते हैं और सूर्य के अस्त होते हुए समय को शाम कहते हैं।
2. चिड़िया, कौआ, कबूतर, कोयल, चील, गरुड़ आदि पक्षी आकाश में उड़ते हैं। मोर, मुर्गा, शतुरमुर्ग आदि कुछ पक्षी आकाश में नहीं उड़ते।
3. शतुरमुर्ग सबसे बड़ा पक्षी होता है, उसका अंडा भी सबसे बड़ा होता है।

करके सीखिए

1. मुर्गा कुकड़ू-कूँ, बत्तख क्वा-क्वा, कोयल कूहु-कूहु, चिड़िया चीं-चीं, तोता टें-टें, कबूतर गुटर-गूँ करते हैं। आप इनकी बोली बोलने की कोशिश कीजिए।

2. खेल-खेल में

एकता मुर्गे का घर ढूँढ़ रही है, उसे रास्ता बताइए–

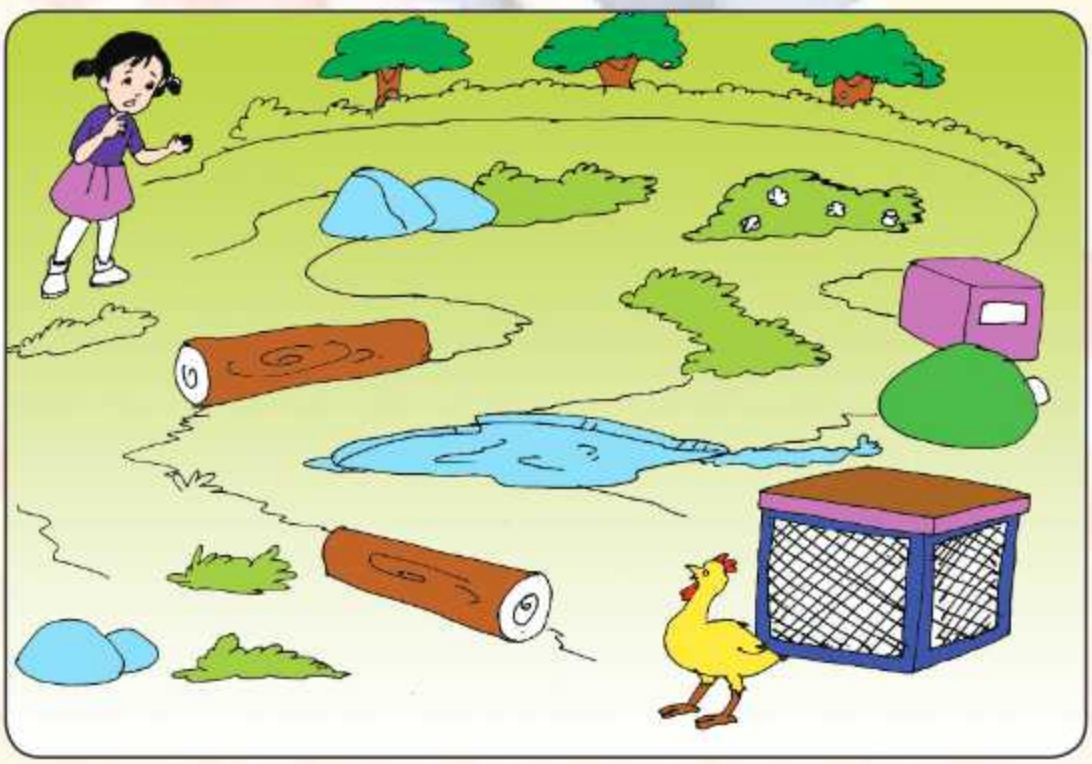

3. ऊपर दिए गए चित्र को देखकर दो प्रश्न बनाइए :-

प्र. 1. .....?

प्र. 2. .....?

*****

3 पानी

- डॉ. शकुंतला कालरा

टप-टप टप-टप पानी बहता,
अपनी भाषा में कुछ कहता।

नल को खुला नहीं रहने दो,
जल को यूँ ही मत बहने दो।

रूठ गया तो पछताओगे,
भूखे-प्यासे मर जाओगे।

मेरी कीमत तब जानोगे।
बात पते की तब मानोगे।

गूँधेगी माँ किससे आटा,
सब्ज़ी का भी होगा घाटा।

जल ही जीवन हर प्राणी का,
मोल जान लो सब पानी का।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
जल	पानी
रूठना	नाराज होना
कीमत	मूल्य
घाटा	नुकसान

कविता से

1. सही बातों पर सही का निशान (✔) और गलत बातों पर गलत का निशान (✘) लगाइए–

(क) हमें पानी बेकार में नहीं बहाना चाहिए। ☐

(ख) केवल मनुष्य ही पानी पीता है। ☐

(ग) हम लोग पानी से आटा गूँधते हैं। ☐

(घ) पानी के बिना भी सब्ज़ी खाने के लिए मिल सकती है। ☐

2. यह कविता याद कीजिए और कक्षा में सुनाइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) पानी अपनी भाषा में क्या कहता है?

(ख) हमें पानी का महत्व कब समझ आता है?

(ग) हम पानी से क्या-क्या करते हैं?

भाषा की बात

1. जिन शब्दों का अंत एक जैसा होता है, उन्हें तुकबंदी वाले शब्द कहते हैं, जैसे–कहता-बहता, आटा-घाटा आदि। नीचे लिखे शब्दों के तीन-तीन तुकबंदी वाले शब्द लिखिए–

सब	.....	.....	.....
पानी	.....	.....	.....
खुला	.....	.....	.....
गोल	.....	.....	.....

2. इन शब्दों में, उदाहरण की तरह अलग-अलग मात्रा लगाकर चार-चार शब्द बनाइए–

उदाहरण– कल, काल, काला, कलि, कली, केला, कुली

हर	.....	.....	.....	.....
मर	.....	.....	.....	.....
पल	.....	.....	.....	.....
जल	.....	.....	.....	.....

यह भी जानिए

1. बारिश होने से और पहाड़ों पर जमी बर्फ़ के पिघलने से नदियों में पानी आता है। ज़मीन के अंदर भी पानी होता है। इसीलिए नदी, नहर, तालाब, कुएँ और हैंडपंप से हमें पानी मिलता है।

2. इस धरती पर सभी प्रकार के जीव-जंतुओं का जीवन किसी-न-किसी रूप में जल पर निर्भर करता है। जल के बिना कोई जीवित नहीं रह सकता है, इसीलिए कहा जाता है–जल ही जीवन है।

अनुमान और कल्पना

1. बारिश के जल का आप कैसे उपयोग करेंगे?
2. अनुच्छेद लिखिए, यदि जल न होता तो ..... ?

*****

छात्र प्रगति रिपोर्ट

शिक्षक/शिक्षिका विगत पाठों से छात्र की प्रगति को निम्न तालिका से अंकित करें। अधिगम संप्राप्ति लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र.सं.	अधिगम संप्राप्ति	3.	2.	1.
		सक्षम है	सहायता से करता/करती है	सुधार की आवश्यकता है
1.	.....			
2.	.....			
3.	.....			
4.	.....			
5.	.....			
6.	.....			
7.	.....			
8.	.....			
9.	.....			
10	.....			

4 मछली है या.....?

- डॉ. सुधा शर्मा 'पुष्प'

मछली जल की रानी है
जीवन उसका पानी है।
हाथ लगाओ डर जाएगी,
बाहर निकालो मर जाएगी।

मछली के बारे में यह छोटी-सी कविता आपने बहुत छोटेपन में सुनी और सुनाई होगी। इस कविता से यह पता चलता है कि मछलियाँ बहुत डरपोक होती हैं। जब हम किसी तालाब, नदी या नहर में मछलियों के निकट जाते हैं, तो वे हमें देखते ही या हमारा स्पर्श या आहट पाते ही दूर भाग जाती हैं, किंतु, क्या आप जानते हैं कि समुद्र में ऐसी अनेक मछलियाँ हैं, जिनसे मनुष्य तो मनुष्य, अन्य विशाल जीव-जंतु भी घबरा जाते हैं। ऐसी ही मछलियों में से एक है–शार्क।

समुद्र में सबसे खूंखार मछली शार्क मछली है। यह व्हेल मछली पर भी हमला कर देती है। इसके दाँत बड़े ख़तरनाक होते हैं। इसके दोनों जबड़ों में तीन इंच लंबे लगभग 4000 दाँत होते हैं। ये दाँत एक के ऊपर एक पुस्तक के पन्नों की तरह जमे रहते हैं। इसकी चिकनी चमड़ी बहुत कठोर होती है। इसकी सुनने और सूँघने की शक्ति बहुत तेज़ होती है। नींद की इसे बहुत कम आवश्यकता होती है। इसका वज़न 25 टन यानी लगभग दस हाथियों के बराबर होता है। यह करीब 60 फुट लंबी, लगभग दो स्कूल बसों के बराबर, होती है। केवल शार्क मछली ही ऐसी मछली है, जिसकी आँखों पर पलकें होती हैं। अन्य मछलियों की आँखों पर पलकें नहीं होती हैं। लगभग 350 प्रकार की शार्क मछलियाँ पाई जाती हैं।

विशाल सफ़ेद शार्क 40 फुट से भी अधिक लंबी होती है। सबसे बड़ी जाति की शार्क 'व्हेल शार्क' कहलाती है। यह लगभग 50 फुट लंबी और कई टन वज़न की होती है। एक शार्क हथौड़ामुखी होती है। बॉस्किंग शार्क के जिगर में से 600 गैलन तक तेल निकलता है। यह तेल चमड़ा रंगने के काम आता है।

एक शार्क के पेट को जब चीरा गया, तो उसमें से मछलियों, पौधों के अलावा 27 विभिन्न वस्तुएँ मिलीं, जिनमें जूता, बरसाती कोट, केतली, बोतलें आदि थीं।

कई लोग अपने आनंद के लिए शार्क को मारते हैं। कुछ लोग मछली का तेल पाने के लिए उसे पकड़कर मार डालते हैं। कारण कुछ भी हो इतने बड़े जीव को मारने से भी मनुष्य नहीं चूकता।

जब कोई मछली किसी मनुष्य को खा जाती है या कोई जानवर किसी मनुष्य को मार डालता है, तब उस मनुष्य को तथा उसके सगे संबंधियों को कैसा महसूस होता होगा। इसी प्रकार, जब मनुष्य किसी मछली या किसी जीव-जंतु को पकड़ता, मारता और खाता है, तब उन्हें तथा उनके सगे-संबंधियों को कैसा महसूस होता होगा?

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
स्पर्श	छूना
विशाल	बहुत बड़ा
कठोर	कड़ा
शक्ति	ताकत
आवश्यकता	ज़रूरत
आनंद	मज़ा

पाठ से

1. सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाइए–

   (क) व्हेल मछली से कौन डरता है–मनुष्य/शार्क

   (ख) शार्क मछली की चमड़ी कैसी होती है–चिकनी/रूखी

   (ग) किस मछली की आँखों पर पलकें होती है–व्हेल/शार्क

   (घ) मछली का तेल किस काम आता है–चमड़ा रंगने के/खाना बनाने के

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

   (क) मनुष्यों का स्पर्श पाते ही मछलियाँ क्यों भाग जाती हैं?

   (ख) शार्क मछली के आकार के बारे में बताइए।

   (ग) जल में पाए जाने वाले चार प्राणियों के नाम बताइए।

   (घ) शार्क मछलियाँ कई प्रकार की होती हैं। कम-से-कम तीन प्रकार की शार्क मछलियों के बारे में बताइए।

भाषा की बात

दिए गए उदाहरण को ध्यान से देखिए और उसी तरह अन्य शब्दों को बदलिए–

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
मछली	मछलियाँ	साड़ी	.....
तितली	.....	घड़ी	.....
बिल्ली	.....	चूड़ी	.....

लड़की	.....	नाली	.....
बिजली	.....	थाली	.....

1. एक को एकवचन और एक से अधिक को बहुवचन कहते हैं।

2. अधूरी कहानी को पूरा कीजिए -

कविता छुट्टियों में अपने माता-पिता के साथ अपनी मौसी जी के घर गयी थी जो कि मुम्बई में रहती हैं। वहाँ पर कविता अपने माता-पिता और मौसा-मौसी जी के साथ समुद्र के किनारे घूमने गयी। वहा पर

.....

.....

.....

.....

.....।

3. आज्ञा का पालन करने वाला - आज्ञाकारी

(i) आकाश को चूमने वाला - .....

(ii) आकाश में उड़ने वाला - .....

(iii) ईश्वर में विश्वास रखने वाला - .....

(iv) ऊपर कहा हुआ - .....

(v) ग्राम में रहने वाला - .....

(vi) आकाश को चूमने वाला - .....

उपरोक्त वाक्यों के लिए एक शब्द लिखिए।

वाक्यांशों के लिए एक शब्द - अनेक शब्दों के स्थान पर केवल एक शब्द का प्रयोग भी किया जाता है तो उसे वाक्यांशों के लिए एक शब्द कहा जाता है।

यह भी जानिए

1. संसार में तीन प्रकार के जीव पाए जाते हैं–

क. ज़मीन पर चलने वाले, जिन्हें थलचर कहते हैं।

ख. जल में रहने वाले, जिन्हें जलचर कहते हैं।

ग. आकाश में उड़ने वाले, जिन्हें नभचर कहते हैं।

इन तीनों प्रकार के दो-दो प्राणियों के नाम लिखिए–

थलचर	जलचर	नभचर
.....	.....	.....
.....	.....	.....

2. संसार में 32,000 प्रकार की मछलियाँ पाई जाती हैं। अभी और प्रजातियों की खोज में वैज्ञानिक लगे हैं।

करके सीखिए

मछलीघर बनाइए

सामग्री–

–जूते का गत्ते का डिब्बा

–प्लास्टिक के खिलौने वाला छोटा आदमी

–शंख, सीपियाँ तथा प्लास्टिक के छोटे-पौधे

–आर-पार दिखने वाला नीला कागज़

–मछलियों के चित्र

–धागा

–चिपकाने के लिए गोंद

–कैंची

विधि–

- डिब्बे के ढक्कन को हटा दीजिए।
- शंख, सीपियों, पौधों और खिलौने वाले छोटे आदमी को खड़े डिब्बे में सजा लीजिए।
- मछलियों के चित्रों को गत्ते पर चिपकाकर मछलियों के आकार का काट लीजिए। इनमें धागा लगाकर डिब्बे की छत में टाँग दीजिए।
- डिब्बे के खुले भाग में नीला कागज़ चिपका दीजिए।

*****

5 सत्य-डगर पर

- सरिता गुप्ता

आओ लिखना पढ़ना सीखें,
सत्य डगर पर चलना सीखें।
कर्म का सबको पाठ पढ़ाएँ,
धर्म की सबको राह दिखाएँ।
कभी राह से न भटकें हम,
गिर-गिरकर सँभलना सीखें।
आओ लिखना-पढ़ना सीखें...।
होली, ईद, तीज, बैसाखी,
सदा साथ सब रहना साथी,
अलग-अलग होकर भी हम सब
साथ-साथ ही चलना सीखें।
आओ लिखना पढ़ना सीखें.....
धरती माँ की शान बनें हम,
अपनी माँ की आन बनें हम,
उम्र की सीमा कभी न रोके,
दूध का फर्ज निभाना सीखें।
आओ लिखना पढ़ना सीखें.....
बापू जी-सा सच अपनाएँ,
सत्य की राह पर बढ़ते जाएँ,
सुभाष-भगत सिंह जैसे बनकर,
देश की खातिर मरना सीखें।
आओ लिखना पढ़ना सीखें.....
'सरिता' से हम बहते जाएँ,
बाधाओं से न घबराएँ।
कोमल लहरों की भाँति हम
चट्टानों से लड़ना सीखें।
आओ लिखना-पढ़ना सीखें....
सत्य डगर पर चलना सीखें।।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
सत्य	सच
कर्म	काम
डगर	रास्ता
खातिर	के लिए
भाँति	समान
आन	इज्ज़त

गीत से –

सही उत्तर के सामने सही का निशान (✔) लगाएँ–

(क) हमें कैसे सँभलना है?

(i) रो-रोकर (ii) हँस-हँसकर
(iii) गिर-गिरकर (iv) चल-चलकर

(ख) गीत में कैसी डगर पर चलने को कहा गया है?

(i) सत्य (ii) धर्म
(iii) शिक्षा (iv) अहिंसा

(ग) किसके जैसा सच अपनाना है?

(i) सुभाष (ii) भगत सिंह
(iii) बापू जी (iv) इनमें से कोई नहीं

(घ) कवयित्री किस लिए सबको बुला रही है?

(i) लिखने के लिए (ii) पढ़ने के लिए
(iii) लिखने-पढ़ने के लिए (iv) खेलने के लिए

(ङ) किस माँ की शान बनने को प्रेरित किया जा रहा है?

(i) अपनी माँ की (ii) धरती माँ की
(iii) दादी माँ की (iv) प्रकृति माँ की

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) होली का त्योहार कैसे मनाया जाता है?

(ख) इस गीत के माध्यम से क्या-क्या सिखाने का प्रयास किया जा रहा है?

(ग) गीत में आए तीन त्योहारों तथा तीन महापुरुषों के नाम लिखिए?

(घ) गीत में किससे न घबराने की बात कही गई है?

भाषा की बात –

1. तत्सम शब्द– संस्कृत से आए जो शब्द हिंदी में ज्यों के त्यों प्रयोग किए जाते हैं, वे तत्सम शब्द कहलाते हैं। जैसे–सर्प, दुग्ध आदि।
2. तद्भव शब्द– जो शब्द मुख-सुख की दृष्टि से सरल रूप से बोले जाते हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे–रात, हाथ आदि।

इस पौधे पर तत्सम शब्द पत्ती के साथ की खाली पत्ती पर उचित तद्भव शब्द घड़े में से छाँटकर लिखिए–

यह भी जानिए

बापू जी – बापू जी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी है। इनका जन्म 2 अक्तूबर, 1869 को काठियावाड़ पोरबंदर (गुजरात) में हुआ था। इन्हें 'राष्ट्रपिता' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने सत्य एवं अहिंसा की राह पर चलने के लिए सभी को प्रेरित किया। ''करो या मरो'' ''अंग्रेज़ो भारत छोड़ो'' जैसे नारे महात्मा गाँधी ने ही दिए। इनका जन्म दिन 'गाँधी जयंती' राष्ट्रीय पर्व के रूप में प्रतिवर्ष 2 अक्तूबर को मनाया जाता है। गाँधी जी की मृत्यु 30 जनवरी, 1948 को हुई। गाँधी जी ने देश की आज़ादी के लिए अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया।

सुभाष – इनका पूरा नाम सुभाष चंद्र बोस है। इनका जन्म 23 जनवरी 1887 ई. को उड़ीसा में कटक नामक स्थान पर हुआ था। इन्हें 'नेताजी' के नाम से भी जाना जाता है। इन्होंने आज़ाद हिंद फौज की स्थापना की। ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।'' ''दिल्ली चलो'' जैसे नारे सुभाष चंद्र बोस ने ही दिए थे।

करके सीखिए

1. इस गीत को लय में याद कीजिए। समूह में या अकेले कक्षा में सुनाइए।

❖ हमको मन की शक्ति देना, मन विजय करें।
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें।
मुश्किलें पड़ें तो हम पर, इतना कर्म कर,
साथ दें तो धर्म का, चलें तो धर्म पर।

झूठ से बचे रहें, सच का दम भरें।
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें।
भेदभाव अपने दिल से, साफ कर सकें,
दूसरों से भूल हो तो, माफ़ कर सकें।
खुद पे हौसला रहे, बदी से न डरें।
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें।
हमको मन....

2. कुछ अन्य गीत व कविता रेडियो, टी.वी. या समाचार पत्रों से सुनकर या पढ़कर याद कीजिए और कक्षा में सुनाइए।

3. नीचे दिए गए चित्रों को पहचान कर नीचे दिए स्थान पर उनके नाम लिखिए।

6 सपनों का शहर

- गिरिजेश सिंहल

733, सैक्टर-12,
राम कृष्ण पुरम,
नई दिल्ली-110022
दिनांक-15/6/2014

प्रिय राहुल,

नमस्ते!

तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर बहुत खुशी हुई कि इस वर्ष तुमने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। तुम्हें बहुत-बहुत बधाई। मैं यहाँ कुशल पूर्वक हूँ और तुम्हारी कुशलता के लिए ईश्वर से कामना करता हूँ।

दोस्त! मैं जानना चाहता हूँ कि तुमने अपनी गरमी की छुट्टियाँ कैसे बिताईं? भई मैं तो इस बार गरमियों में अपने परिवार के साथ सपनों के शहर मुंबई गया था। वहाँ मेरी मौसी रहती हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई भारत की व्यापारिक राजधानी के नाम से भी जानी जाती है। चलो, मैं तुम्हें पूरी यात्रा के बारे में विस्तार से बताता हूँ।

सबसे पहले हम दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस से सुबह नौ बजे मुंबई पहुँचे। हम बोरीवली स्टेशन पर उतरे। वहाँ से हम लोकल ट्रेन द्वारा मौसी के घर मीरा रोड गए। मुंबई की लोकल ट्रेन हमारी दिल्ली की मेट्रो से काफी अलग है। न तो उसमें ए.सी. है और न ही वह इतनी सुरक्षित है। खैर, अब जो भी है सफ़र तो हमें उसी में करना पड़ा।

दिनभर आराम करने के बाद हम शाम को जूहू चौपाटी गए। यह समुद्र का तट है, जहाँ की लहरें क्रम से आ रहीं थीं। ठंडी हवा के साथ पानी के छींटे हमारे मन को लुभा रहे थे। वहाँ खाने-पीने की वस्तुओं का भी पूरा बाज़ार लगा था। हमने भेलपूरी खाई और रात के बारह बजे तक घर लौट आए।

अगले दिन हम टैक्सी द्वारा दादर इलाके में स्थित सिद्धि विनायक मंदिर पहुँचे। यह बहुत ही प्रसिद्ध मंदिर है, जहाँ फिल्मों के कलाकार भी आते हैं। इसे देखने के बाद हम 'गेट वे ऑफ इंडिया' गए। यह समुद्र के किनारे स्थित है, जो भारत का प्रवेश द्वार कहलाता है। यह 1924 में बना था। यहीं पर हमें बहुत-से स्टीमर खड़े मिले, जो एलिफेंटा की गुफाएँ दिखाने ले जाते हैं।

इनमें से एक स्टीमर में बैठकर हम भी गुफाएँ देखने गए। ये बहुत ही प्राचीन और सुंदर थीं। यहाँ मूर्तियों को देखकर मुझे बहुत मज़ा आया।

लो दोस्त। मैंने तो अपनी सारी बात तुम्हें लिख दीं। मैं कुछ फोटो भी तुम्हें भेज रहा हूँ, जिन्हें देखकर तुम्हें भी अच्छा लगेगा। अब तुम भी मुझे झटपट लिख भेजो कि तुमने गरमियों में कहाँ और कैसी मौज़-मस्ती की।

शेष कुशल है। चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम। गोलू को स्नेह।

तुम्हारा मित्र, मोहित

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द		अर्थ
कामना	–	इच्छा
ए.सी.	–	एयर कंडीशनर (वातानुकूलन)
सिद्धि विनायक	–	इच्छा पूर्ति करने वाले भगवान गणेश
द्वार	–	दरवाज़ा
स्टीमर	–	समुद्र में मशीन से चलनेवाले छोटे जहाज़
प्राचीन	–	बहुत पुरानी

पाठ से –

1. निम्नलिखित प्रश्नों में पाठ के आधार पर सही विकल्प पर सही का निशान (✔) लगाइए–

(क) मोहित कौन-सी रेल द्वारा मुंबई गया?

(i) दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस (ii) पूजा एक्सप्रेस

(iii) दिल्ली-गोवा एक्सप्रेस (iv) मसूरी एक्प्रेस

(ख) मोहित की मौसी मुबई में कहाँ रहती थी?

(i) मीरा बाग (ii) मीरा रोड (iii) मीरा मंदिर (iv) मीरा बाज़ार

(ग) मुंबई किस राज्य की राजधानी है?

(i) बंगाल (ii) गुजरात (iii) महाराष्ट्र (iv) केरल

(घ) मोहित ने समुद्र तट पर क्या खाया?

(i) पानी पूरी (ii) सेव पूरी (iii) पाव भाजी (iv) भेल पूरी

2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) सिद्धि विनायक मंदिर कहाँ स्थित है?

(ख) गेट वे ऑफ इंडिया क्या कहलाता है?

(ग) मोहित स्टीमर में कहाँ गया?

(घ) आप दिल्ली में कहाँ-कहाँ घूमें हैं या कहाँ-कहाँ जाना चाहते हैं? लिखिए

(ङ) 'गेट वे ऑफ इंडिया' कब बना था?

भाषा की बात

1 क्रिया शब्द–आपने पाठ में कुछ शब्द ऐसे पढ़े हैं, जो किसी न किसी काम के करने का अहसास करवाते हैं, जैसे–हुई, प्राप्त किया, चाहता, गया, बताता, पहुँचे, आ रही, खाई इत्यादि।

आप ऊपर दी गई क्रियाओं से एक-एक वाक्य बनाइए।

2 मोहन अच्छा लड़का है। वह प्रातः उठकर अपने माता-पिता के पैर छूता है। उसे गाने का शौक है। तुम भी उससे गाना सीख सकते हो।

ऊपर दी गई पंक्तियों में जिन शब्दों के नीचे रेखा खींची है, वे शब्द सर्वनाम हैं। नीचे दिए बॉक्स में जो शब्द सर्वनाम नहीं हैं, उन पर × निशान लगाइए–

मैं	पढ़ना	उस	गीता	मिठास	तुम्हें	शाबाश
कोई	रवि	दिल्ली	वह	घर	हम	अच्छा
पहला	अपने आप	कुछ	मुझे	उदासी	लंबा	उन्हें
तुम	सुबह	और	आप	जाती	स्वयं	मीठा

सर्वनाम – संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

क्रिया – किसी कार्य के करने या होने का बोध करवाने के कारण ये शब्द क्रिया कहलाते हैं।

यह भी जानिए

मुंबई शहर का विस्तार जितना आज दिखाई देता है। उतना पहले नहीं था। मुंबईवासियों ने समुद्र का कुछ तटीय इलाका तो समुद्र से छीना ही है। हमारे देश का सर्वाधिक व्यापार मुंबई में ही होता है। देश के बड़े उद्योग समूह टाटा एवं रिलायंस के मुख्यालय मुंबई में ही स्थित हैं। मुंबई का पुराना नाम बंबई था, परंतु वहाँ की अधिष्ठात्री मुंबा देवी के कारण इसका नाम मुंबई रखा गया। मुंबई को फिल्मी नगरी के नाम से भी जाना जाता है, अधिकतर हिंदी फिल्में यहीं बनती हैं।

करके सीखिए

इस पाठ द्वारा आप मित्र को पत्र लिखना सीख ही चुके हैं। आप अपने मित्र को पत्र लिखिए, जिसमें आप बताइए कि पिछला रविवार आपने कैसे बिताया?

*****

छात्र प्रगति रिपोर्ट

शिक्षक/शिक्षिका विगत पाठों से छात्र की प्रगति को निम्न तालिका से अंकित करें। अधिगम संप्राप्ति लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र.सं.	अधिगम संप्राप्ति	3.	2.	1.
		सक्षम है	सहायता से करता/करती है	सुधार की आवश्यकता है
1.	.....			
2.	.....			
3.	.....			
4.	.....			
5.	.....			
6.	.....			
7.	.....			
8.	.....			
9.	.....			
10	.....			

7 अकबर का न्याय

- सीमा सक्सेना

मुगल शासक अकबर एक न्याय प्रिय राजा था। उसके शासनकाल में प्रजा सुखी थी। बीरबल अकबर के नवरत्नों में गिने जाते थे। बीरबल के बुद्धि कौशल से सभी दरबारी जलते थे। अकबर ने अपने महल के बाहर एक घंटा लगवा रखा था। कोई भी व्यक्ति किसी भी समय अकबर के दरबार में अपनी फरियाद लेकर आ सकता था। एक दिन अचानक ज़ोर-ज़ोर से घंटा बजने की आवाज अकबर के कानों में पड़ी। अकबर हैरान हो गए कि इतनी रात को कौन फरियादी आया है।

बादशाह ने सैनिकों को आदेश दिया, ''सैनिकों! फरियादी को तुरंत हाज़िर किया जाए।'' आज्ञा का पालन किया गया। सैनिक के साथ एक औरत रोती हुई दरबार में हाज़िर हुई। महिला से अकबर ने पूछा, ''बताओ तुम्हें क्या कष्ट है?'' महिला रोती हुई, अकबर से बोली, "जहाँपनाह मुझे न्याय दीजिए। मेरा इकलौता पुत्र मेरी बहन ने चुरा लिया है और अब वापस नहीं कर रही है। मैं पुत्र के बिछोह में मर जाऊँगी।'' अकबर ने महिला की बहन को बच्चे के साथ दरबार में तुरंत हाज़िर होने का आदेश सैनिक को भिजवाया। छह महीने के पुत्र को लेकर महिला की बहन दरबार में उपस्थित हुई। दोनों में झगड़ा होने लगा। दोनों महिलाएँ बालक पर अपना पुत्र होने का दावा कर रही थीं।

अकबर भी नहीं समझ पा रहे थे कि असली माँ कौन है? बीरबल ने अकबर के कान में कुछ कहा। अकबर के चेहरे पर चमक आ गई। अकबर ने बच्चे को एक तख़्त पर लिटाने का आदेश दिया। सभी सभासद हैरान थे कि अब न्याय कैसे होगा? अकबर ने एक सैनिक को बुलाकर कहा, ''सैनिक हमारा न्याय दोनों महिलाओं के पक्ष में होगा। तुम तलवार से बालक के बीच से दो बराबर टुकड़े कर दो। एक-एक टुकड़ा दोनों महिलाओं को बाँट दो। यही मेरा न्याय है।'' सैनिक ने ज्यों ही तलवार उठाई, उनमें से एक महिला दौड़कर रोती हुई अकबर के पैरों में गिर गई और कहने लगी, ''जहाँपनाह दया कीजिए। मेरी इकलौती संतान के दो टुकड़े मत करवाइए। मैं अपनी शिकायत वापस लेती हूँ। मेरा पुत्र जीवित रहे, चाहे वह मेरी बहन के घर में ही रहे।'' ऐसा कहकर वह फूट-फूटकर रोने लगी। अकबर ने बच्चा उस महिला को दे दिया क्योंकि बच्चे के जीवन की दुआ माँगने वाली औरत ही उसकी असली माँ थी। अकबर ने दूसरी महिला को कारागार में डलवा दिया।

महिला के जाने के बाद अकबर ने बीरबल से कहा, ''मुझे तुम्हारे बुद्धि कौशल पर गर्व है।'' संसार में माँ कभी अपनी संतान का अहित नहीं देख सकती, यह कथन सत्य है।

*****

8 आओ पेड़ लगाएँ

डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

सारे जग के शुभचिंतक,
ये पेड़ बहुत उपकारी।
सदा-सदा से वसुधा इनकी
ऋणी और आभारी।
परहित जीने-मरने का
आदर्श हमें सिखलाएँ।
आओ पेड़ लगाएँ साथी
आओ पेड़ लगाएँ।

फल देते, ईंधन देते हैं,
देते ओषधि न्यारी।
छाया देते, और देते हैं
सरस हवा सुखकारी।
ऑक्सीजन का मधुर खजाना
भर-भर हमें लुटाएँ।
आओ पेड़ लगाएँ साथी
आओ पेड़ लगाएँ।

गरमी, वर्षा, शीत कड़ी
ये अविकल सहते जाते,
लू, आँधी, तूफान भयंकर
देख नहीं घबराते।
सहनशीलता, साहस की

ये पूजनीय प्रतिमाएँ।
आओ पेड़ लगाएँ साथी
आओ पेड़ लगाएँ।

पेड़ प्रकृति का गहना हैं,
ये हैं शृंगार धरा का।
इन्हें काट, क्यूँ डाल रहे
अपने ही घर में डाका।
गलत राह को अभी त्यागकर
सही राह पर आएँ।
आओ पेड़ लगाएँ साथी
आओ पेड़ लगाएँ।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
उपकारी	भला करने वाले
वसुधा	धरती
ऋणी	कर्जदार
आभारी	किए गए उपकार को मानने वाले
ओषधि	दवा
ईंधन	जलावन की सामग्री
अविकल	बिना दुखी हुए
प्रतिमा	मूर्ति
शृंगार	शोभा

कविता से –

1. सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाइए

(क) पेड़ों की सदैव ऋणी कौन रही है?

(I) वायु (II) राह

(III) आकाश (IV) वसुधा

(ख) वृक्ष किसका खजाना हमें भर-भरकर लुटाते हैं?

(I) वायु (II) आक्सीजन

(III) कार्बन (IV) शुद्धता

(ग) पेड़ किसके शृंगार कहे गए हैं?

(I) धरा (II) पर्वत

(III) आकाश (IV) हिमालय

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) वृक्षों से हमें क्या प्राप्त होता है?

(ख) वृक्ष हमें क्या आदर्श सिखाते हैं?

(ग) कवि पेड़ों के आभारी क्यों हैं?

(घ) पेड़ों को परोपकारी क्यों कहा जाता है?

(ङ) कविता में किस गलत राह को छोड़ने के बारे में कहा गया है?

(च) नीम के पेड़ से हमें क्या-क्या मिलता है?

भाषा की बात

1. नीचे स्तंभ (अ) में कुछ शब्द दिए गए हैं और स्तंभ (ब) में इनके समानार्थी शब्द दिए गए हैं। इनका सही मिलान कीजिए:-

स्तंभ (अ)	स्तंभ (ब)
(क) प्रतिमा	(I) दवा
(ख) वसुधा	(II) पेड़
(ग) हवा	(III) धरती
(घ) ओषधि	(IV) वायु
(ङ) वृक्ष	(V) मूर्ति

2. धीरे-धीरे, चुप-चुप ये वह शब्द हैं जो शब्द साथ-साथ बोले जाते हैं आप भी ऐसे शब्द लिखिए:-

(क) ..... (ख) .....

(ग) ..... (घ) .....

शब्द-युग्म वे शब्द होते हैं, जो साथ-साथ बोले जाते हैं

3. उप, भर, वि, अ

(क) ..... + हार = ... (ख) ..... + पूर = ...

(ग) ..... + कार = ... (घ) ..... + भाव = ...

(ङ) ..... + वन = ... (च) ..... + नय = ...

ऊपर लिखे हुए शब्दों में उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए।

उपसर्ग – जो शब्द किसी शब्द से पहले आकर उसका विशेष अर्थ-प्रकट करते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं।

शब्द	प्रत्यय		नया शब्द
= पढ़ने	+ वाला	=	पढ़ने वाला
= दिखने	+ वाला	=	दिखने वाला

प्रत्यय: – वे शब्दांश जो शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन करते हैं प्रत्यय कहलाते हैं।

निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए –

(क) हँसने + ... = ... (ख) लकड़ + ... = ...

(ग) गुण + ... = ... (घ) चमक + ... = ...

(ङ) मय + ... = ... (च) मान + ... = ...

यह भी जानिए

हर साल पृथ्वी दिवस (अर्थ डे)-22 अप्रैल को एवं वन-महोत्सव-जुलाई के पहले सप्ताह में देशभर में मनाया जाता है।

करके सीखिए

(क) अपने जन्मदिन या किसी खास अवसर पर पास के किसी बगीचे या पार्क में एक पेड़ लगाकर उसका नामकरण कीजिए और फिर लगातार उसकी देख-रेख कीजिए।

(ख) 'पर्यावरण सुरक्षा एवं वृक्षारोपण इस विषय पर सूक्तियों का संकलन कर कक्षा में लगाइए।

*****

9 मनचाहा उपहार

- नवनीत अग्रवाल

जया का मन आज बहुत बेचैन था। उसका अपने भाई यथार्थ से झगड़ा हो गया था। उसने भाई के मना करने पर भी उसकी नई साईकिल को चलाया था। इस पर उसके भाई ने उसे थप्पड़ मार दिया। जया बहुत रोई।

अगले दिन दोनों भाई-बहन विद्यालय गए। यथार्थ की हिंदी की अध्यापिका ने उस दिन एक निबंध लिखवाया–''रक्षाबंधन'' और बच्चों को समझाते हुए वे बोलीं, ''रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का त्योहार है। भाई की मंगलकामना एक बहन से अधिक और कोई नहीं कर सकता। भाई राखी के बदले अपनी बहन की रक्षा करने का वचन उसे देता है, इसलिए सभी को इस त्योहार को मनाते समय इन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।''

अध्यापिका जी के चले जाने के बाद उनकी बातें यथार्थ के मन में घूमने लगीं। उसे अपनी बहन को थप्पड़ मारने पर बड़ा अफ़सोस हो रहा था।

कुछ दिन बाद ही रक्षाबंधन था। यथार्थ ने सोचा कि वह अपनी बहन को अच्छा-सा उपहार देकर खुश कर देगा। उसने गुल्लक टटोली तो उसमें एक हज़ार रुपए थे। वह उपहार लेने बाज़ार गया, मगर सभी जगह उसे निराशा हाथ लगी। बाज़ार उपहारों से भरा था, किंतु यथार्थ को कोई भी उपहार पसंद नहीं आया।

वह मायूस होकर घर लौट रहा था कि उसने साईकिल की बड़ी दुकान पर एक बोर्ड लगा देखा। बोर्ड पर लिखा था–''पुरानी साईकिल लाइए और नई साईकिल ले जाइए।'

यथार्थ घर गया और अपनी पुरानी साईकिल ले आया। दुकानदार ने उसकी साईकिल को ग़ौर से देखा, फिर नई साईकिल देने के लिए नौ सौ रुपए और माँगे। यथार्थ के पास तो हजार रुपए थे। उसने झट से नौ सौ रुपए देकर अपनी बहन के लिए भी नई साईकिल खरीद ली और घर लाकर उसे स्टोर में छिपा दिया।

रक्षा बंधन के दिन जब जया ने अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी कलाई पर सुंदर राखी बाँधी तथा स्वादिष्ट मिठाई खिलाई तो यथार्थ ने थाली में एक मुड़ा हुआ कागज़ रख दिया। उपहार के बजाय कागज़ देखकर सब चौंक गए। जब जया ने उसे खोला तो उसमें लिखा था–'मुझे माफ कर दो प्यारी बहना, तुम्हारा उपहार स्टोर में है।' जया दौड़कर स्टोर में गई, तो उसने वहाँ नई साईकिल देखी। अपने लिए मनचाहा उपहार पाकर वह खुश हो गई। वह दौड़कर आई और अपने भाई के गले लग गई।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
बेचैन	अशांत
अफ़सोस	दु:ख

टटोली	खोजी या तलाशी ली
ग़ौर से	ध्यान से

पाठ से

1. सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाइए–

(क) जया के भाई का क्या नाम था?

(i) राजू (ii) अभिषेक

(iii) यथार्थ (iv) रवि

(ख) अध्यापिका जी ने किस विषय पर निबंध लिखवाया?

(i) दीपावली पर (ii) होली पर

(iii) स्वतंत्रता दिवस पर (iv) रक्षाबंधन पर

(ग) यथार्थ की गुल्लक में कितने रुपए थे?

(i) एक हज़ार (ii) दो हज़ार

(iii) पाँच सौ (iv) दो सौ

(घ) यथार्थ ने नई साईकिल लाकर कहाँ छुपा दी?

(i) छत पर (ii) स्टोर में

(iii) कमरे में (iv) इनमें से कोई नहीं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:–

(क) जया का अपने भाई से झगड़ा क्यों हो गया?

(ख) यथार्थ बाज़ार क्यों गया?

(ग) साईकिल की दुकान पर लगे बोर्ड पर क्या लिखा हुआ था?

(घ) अध्यापिका जी ने रक्षाबंधन विषय पर क्या-क्या समझाया?

(ङ) हमें अपने भाई-बहनों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए और क्यों?

भाषा की बात

(1) निम्नलिखित विलोम शब्द याद कीजिए–

नई–पुरानी	अच्छा–बुरा
रोई–हँसी	सुख–दु:ख
प्रेम–घृणा	निराशा–आशा

(2) यह पुरानी किताब है। इस वाक्य में 'पुरानी' शब्द किताब की विशेषता है।

आप पाठ में आए विशेषता बताने वाले शब्दों को चुनकर नीचे लिखे संज्ञा शब्दों के सामने लिखिए–

विशेषण	संज्ञा
मनचाहा	उपहार
.....	साइकिल
.....	दुकान
.....	राखी
.....	मिठाई

विशेषण– संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं, जैसे बहुत, पिछला, बुरा, पुरानी आदि।

यह भी जानिए

रक्षाबंधन का भारत में बड़ा महत्व है। एक बार राजपूत रानी कर्मवती के राज्य पर दुश्मनों ने हमला कर दिया। वह इससे घबरा गई। रानी ने दिल्ली के बादशाह को राखी भेजी। जिसका तात्पर्य था कि मेरी रक्षा करो। उन दिनों दिल्ली पर बादशाह हुमायूँ का राज्य था। हुमायूँ ने मुसलमान होकर भी राखी का महत्व समझा और अपनी बहन कर्मवती की रक्षा करने के लिए चले गए।

करके सीखिए

आइए राखी बनाएँ–

सामग्री–1. कार्ड बोर्ड का टुकड़ा 2. गोटा 3. गोंद 4. चावल के दाने 5. फोम का टुकड़ा 6. प्लास्टिक का छोटा सा स्वास्तिक 7. रंगीन पन्नी

विधि–कार्ड बोर्ड का एक गोल टुकड़ा काटकर उसके एक ओर रंगीन पन्नी व दूसरी ओर फोम का टुकड़ा चिपका दीजिए। फिर पन्नी की तरफ से उस पर पूरी गोलाई में गोटा चिपका दीजिए। बीच वाले हिस्से में चावल के कुछ दाने व स्वास्तिक चिपका दीजिए। अंत में, गोटे का एक लंबा टुकड़ा लेकर उस पर तैयार गोल राखी बीच में चिपका दीजिए। आपकी मनचाही राखी तैयार है। आप अन्य वस्तुओं के द्वारा भी राखी तैयार कर सकते हैं।

अनुमान एवं कल्पना –

अपने मन पसंद किसी एक त्योहार पर निबंध लिखिए।

*****

छात्र प्रगति रिपोर्ट

शिक्षक/शिक्षिका विगत पाठों से छात्र की प्रगति को निम्न तालिका से अंकित करें। अधिगम संप्राप्ति लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र.सं.	अधिगम संप्राप्ति	3.	2.	1.
		सक्षम है	सहायता से करता/करती है	सुधार की आवश्यकता है
1.	.....			
2.	.....			
3.	.....			
4.	.....			
5.	.....			
6.	.....			
7.	.....			
8.	.....			
9.	.....			
10	.....			

10 ऊँची चोटी चढ़ना

- डॉ. अरविंद झा

ऊँची चोटी चढ़ना रे भैया
ऊँची चोटी चढ़ना।
ठीक समय पर सोना-जगना
ठीक समय पर पढ़ना।
ठीक समय पर पढ़ना, रे भैया
ठीक समय पर पढ़ना।
समय-सारणी से ही संभव,
ऊँची चोटी चढ़ना।
ऊँची चोटी चढ़ना, रे भैया
ऊँची चोटी चढ़ना।

चतुर बनो कौए के जैसा,
बगुले जैसा ध्यान।
बगुले जैसा ध्यान।
कुत्ते जैसी नींद यदि हो,
मानव बने महान।
मानव बने महान, रे भैया
मानव बने महान।

मिले हरदम नूतन अवसर,
होठों पर मुसकान।
होठों पर मुसकान, रे भैया
होंठों पर मुसकान।
सोने वाला पछताता है,
अपना ही नुकसान।
अपना ही नुकसान, रे भैया
अपना ही नुकसान।

चींटी जैसे चलते रहना,
करते रहना काम।
करते रहना काम, रे भैया
करते रहना काम।
कठिन परिश्रम करने से ही,
होता जग में नाम।
होता जग में नाम, रे भैया
होता जग में नाम।

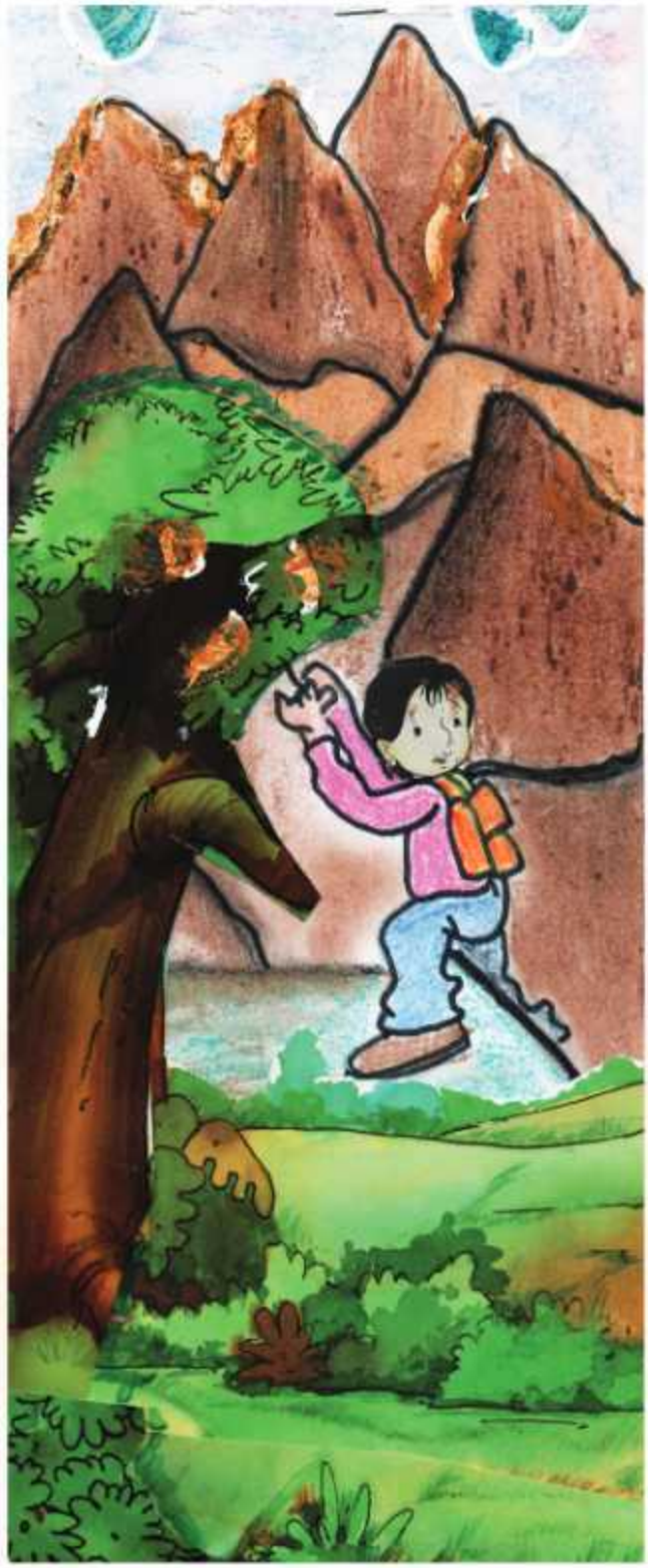

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
ऊँची चोटी चढ़ना	तरक्की पाना, उन्नति करना
समय-सारणी	समय-सूची
कुत्ते जैसी नींद	सोते समय भी सुध रखना, सदा सचेत रहना
नूतन	नया, नवीन
अवसर	मौका

कविता से –

1. सही उत्तर के सामने सही का निशान (✔) लगाइए:-

(क) समय-सारणी क्यों बनानी चाहिए?

(I) समय पर खेल सकें (II) सो सकें

(III) जाग सकें (IV) नियमानुसार काम कर सकें

(ख) बगुले का ध्यान कहाँ होता है?

(I) चारों ओर (II) पानी पर

(III) अपने पैरों पर (IV) शिकार पर

(ग) वह पछताता है, जो–

(I) सोता है (II) पढ़ता है

(III) खेलता है (IV) जागता है

(घ) जग में नाम तब होता है, जब–

(I) खेलते हैं (II) परिश्रम करते हैं

(III) घूमते हैं (IV) झगड़ा करते हैं

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) समय-सारणी से क्या-क्या लाभ हैं?

(ख) अपना नुकसान कौन करता है?

(ग) चींटी, बगुले और कुत्ते से हमें क्या सीखना चाहिए?

(घ) इस कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) कविता के अनुसार जग में नाम पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

(च) आलसी व्यक्ति क्यों पछताता है?

भाषा की बात

1. 'महान' जैसे अन्य शब्द लिखिए जिनके अन्त में न वर्ण आए :–

2. (क) ऊँची चोटी चढ़ना (ख) चतुर बनो कौए के जैसा (ग) कठिन परिश्रम करने से ही जग में होता नाम, वाक्यों में से विशेषण ढूँढ़कर लिखिए–

   1. ..... 2. ..... 3. .....

3. निम्नलिखित वाक्यों में विराम चिह्नों को लगाइए
   (क) मैं घर जा रहा हूँ
   (ख) तुम क्या कर रहे हो
   (ग) लक्ष्मी, ममता और प्रवीण काम कर रहे हैं
   (घ) ओह ये क्या हो गया

यह भी जानिए

कोई भी कार्य आप बार-बार करते हैं, तो वह आ जाता है अर्थात प्रयास व परिश्रम से सफलता अवश्य मिलती है। इस दोहे को देखिए–

करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान
रसरि आवत-जात ते सिल पर पड़त निशान

यानि बार-बार अभ्यास करने से मंदबुद्धि को भी बात समझ आ जाती है। किसी पत्थर पर रस्सी बार-बार यदि रगड़ खाती है, तो पत्थर पर भी उसके निशान पड़ जाते हैं।

करके सीखिए

1. समय-सारणी बनाइए, उसके अनुसार काम कीजिए, तथा उस सारणी को कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।
2. मेहनत का परिणाम सबको अच्छा और मधुर मिलता है। (आप भी करके देखिए)

*****

11 पवित्र धन

- डॉ. सुधा शर्मा 'पुष्प'

दीनानाथ के तीन बेटे थे–सोनू, मोनू और गोनू। तीनों चोरी और लूटपाट में लगे रहते थे। दीनानाथ ने उन्हें समझाया–चोरी और लूटपाट अच्छी बात नहीं। ऐसी कमाई अच्छी नहीं होती।

सोनू बोला कमाई तो कमाई है, चाहे जैसे कमाओ। क्या फ़र्क पड़ता है?

एक दिन मोनू जेब काटते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने उसे जेल में बंद कर दिया। दो दिनों के बाद ही गोनू किसी औरत की चेन खींचकर भाग रहा था, लोगों ने उसे पकड़कर खूब पीटा। वह घायल हो गया।

दीनानाथ बहुत दुखी हो गए। वे इतने दुखी हुए कि बीमार पड़ गए। एक दिन उनके घर एक महात्मा जी आए। सोनू ने उनसे पूछा–महात्मा जी हमारे पिता जी बीमार हैं। एक भाई जेल में बंद है, दूसरा भाई घायल है। मैं बहुत परेशान हूँ, क्या करूँ? महात्मा जी ने सोनू को ध्यान से देखा। उन्हें याद आया–इसी लड़के ने एक बार मुझे लूटा था।

महात्मा जी ने कहा–पुत्र, तुम्हारे घर में पवित्र धन की कमी है। अपवित्र धन के कारण ही घर में परेशानी है। यह पवित्र धन क्या होता है? मेहनत और ईमानदारी से कमाया गया धन ही पवित्र धन होता है। इसी से घर में सुख-शांति मिलती है।

सोनू एक लुहार की दुकान पर नौकरी करने लगा। अब वह मेहनत और ईमानदारी से धन कमाने लगा। दीनानाथ बहुत खुश थे। उनकी बीमारी भी ठीक हो गई। गोनू स्वस्थ हो गया। गोनू और मोनू ने वादा किया–अब से हम सब मेहनत और ईमानदारी से धन कमाएँगे। पवित्र धन के आने से घर में सब सुख-शांति से रहने लगे।

*****

12 अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी?

- महादेवी वर्मा

आँधी आई ज़ोर-शोर से,
डाली टूटी हैं झकोर से।
उड़ा घोंसला अंडे फूटे,
किससे दु:ख की बात कहेगी।
अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी?
हमने खोला अलमारी को,
बुला रहे हैं बेचारी को।
पर वह तो चीं-चीं करती है
घर में तो वह नहीं रहेगी!
घर में पेड़ कहाँ से लाएँ
कैसे यह घोंसला बनाएँ!
कैसे फूटे अंडे जोड़ें,
किससे यह सब बात कहेगी।
अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी?

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
झकोर	बहुत ज़ोर से हिलना
चीं-चीं	चिड़िया की आवाज

कविता से

1. सही उत्तर के सामने सही का निशान (✔) लगाइए:-

(क) डाली कैसे टूट गई–

(i) महादेवी वर्मा ने तोड़ी (ii) चिड़िया ने तोड़ी

(iii) आँधी से टूट गई (iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) चिड़िया कहाँ रहती है–

(i) अलमारी में (ii) घर में (iii) पानी में (iv) घोंसले में

(ग) 'अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी' कविता किसके द्वारा लिखी गई है?

(i) महादेवी वर्मा (ii) डॉ. सुधा शर्मा 'पुष्प'

(iii) सरिता सक्सेना (iv) डॉ. रवि शर्मा

(घ) आँधी आने पर क्या हुआ?

(i) फूल खिल गए (ii) चिड़िया खुश हो गई

(iii) घोंसला उड़ गया (iv) चिड़िया के अंडे बच गए

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

(क) चिड़िया के अंडे कहाँ थे? वे कैसे फूट गए?

(ख) महादेवी वर्मा चिड़िया को कहाँ रहने के लिए बुला रही थीं? चिड़िया ने उनकी बात क्यों नहीं मानी?

(ग) इस कविता का दूसरा शीर्षक (नाम) सोचकर लिखिए।

(घ) आँधी आने पर क्या-क्या होता है?

भाषा की बात

1. **हिंदी में बिंदी**–ध्यान दीजिए, इन शब्दों में बिंदी कहाँ लगी है, ऐसे ही दो-दो शब्द और लिखिए

अंडे- .... पेड़- ....

घोंसला- .... ज़ोर- ....

2. पानी - नीर, जल

यह समान अर्थ वाले शब्द हैं। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनके समान अर्थ वाले शब्द डिब्बे में हैं। उन्हें छाँटकर शब्दों के आगे लिखिए :-

(क) डगर ....

(ख) माँ ....

(ग) धरती ....

(घ) सरिता ....

रास्ता, भूमि
जननी, नदी
तरणि, माता
वसुधा, पथ

पर्यायवाची शब्द - समान अर्थ वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

3. नीचे कुछ संज्ञा शब्द लिखे हैं, उन शब्दों से वाक्य बनाइए :-

(क) माँ .....

(ख) घर .....

(ग) नदी .....

(घ) मनुष्य .....

(ङ) शेर .....

संज्ञा - किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।

यह भी जानिए

1. चिड़िया के अंडों को यदि कोई छू ले, तो वह उसे नहीं पालती। इसलिए कभी भी घोंसले में रखे अंडों को छूना नहीं चाहिए।

कल्पना और अनुमान

सोचिए, अगर पेड़ न होते तो चिड़िया कहाँ रहती।

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

*****

छात्र प्रगति रिपोर्ट

शिक्षक/शिक्षिका विगत पाठों से छात्र की प्रगति को निम्न तालिका से अंकित करें। अधिगम संप्राप्ति लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र.सं.	अधिगम संप्राप्ति	3.	2.	1.
		सक्षम है	सहायता से करता/करती है	सुधार की आवश्यकता है
1.	.....			
2.	.....			
3.	.....			
4.	.....			
5.	.....			
6.	.....			
7.	.....			
8.	.....			
9.	.....			
10	.....			

13 मैं हूँ कंप्यूटर

- गिरिजेश सिंहल

प्यारे बच्चो! मैं कंप्यूटर हूँ। पहले मैं केवल बड़े-बड़े इंजीनियरों के काम की चीज़ समझा जाता था, परंतु आजकल प्रत्येक क्षेत्र जैसे व्यापार, खेल, फिल्म, दूरदर्शन, आकाशवाणी, चिकित्सा, प्रशासन एवं शिक्षा इत्यादि में मेरा भरपूर उपयोग होने लगा है।

आप जानते हैं, मेरा जन्म कब और कहाँ हुआ? मैं अपने वर्तमान स्वरूप में कैसे आया? नहीं पता? चलो मैं बताता हूँ। बच्चो! सन् 1842 में एक कैलकुलेटर चार्ल्स बैबेज ने बनाया था, इसलिए वे मेरे पिता कहे जा सकते हैं।

इसके बाद मेरा लगातार विकास होता गया। मेरे नए-नए स्वरूप आने लगे। शुरू में तो मेरा आकार बहुत ही विशाल था, फिर धीरे-धीरे मेरा आकार सिमटने लगा। सिमटते-सिमटते मैं केवल इतना बड़ा रह गया कि एक टेबल पर मुझे रखना आसान हो गया। मेरे इस रूप को आपने सभी स्थानों पर देखा होगा।

इसमें मेरे चार हिस्से आते हैं–पहला, 'मॉनीटर' जो टी.वी. जैसा होता है। दूसरा, 'सी.पी.यू.' जिसका आकार एक छोटे बक्से जितना है। तीसरा, 'की पैड' जिस पर विभिन्न संकेतों को दर्शाने वाले बटन लगे होते हैं। चौथा, 'माउस' जो वास्तव में छोटे चूहे जितना ही है और है भी बड़ा फुर्तीला।

आजकल प्रचलित मेरे सबसे आधुनिक रूप हैं–लैपटॉप, टेबलेट, नोट पैड आदि। ये इतने छोटे हैं कि छोटे से बैग में समा जाते हैं। इन्हें लेकर कभी भी, कहीं भी आया-जाया जा सकता है।

बच्चो! यह तो हुई मेरे स्वरूप की बात, अब बताता हूँ कि मैं कितने काम की चीज़ हूँ।

जैसे-जैसे मेरा विकास हुआ, वैसे-वैसे मेरा उपयोग भी बढ़ता गया है। मैं ऐसे बहुत से कार्य कर सकता हूँ, जिनको सामान्य मनुष्य नहीं कर सकता, जैसे मैं एक सैकेंड में लाखों गणनाएँ कर सकता हूँ। मैं अपने काम में ज़रा भी गलती नहीं करता। अगर कोई गलती हो भी जाती है, तो वह गलती मनुष्य की ही होती है।

मेरा पेट भी बहुत बड़ा है। इसमें मैं ढेर सारी सूचनाएँ जमा कर सकता हूँ। लाखों बातें मेरी याददाश्त में हमेशा के लिए समा जाती हैं। मैं एक की बात दूसरे से कभी नहीं कहता। आप पासवर्ड डालकर अपनी खास बातों को दूसरों से छिपा सकते हैं।

मुझे तो आपकी तरह कभी थकान भी नहीं होती और न कभी मैं अपने काम से ऊबता हूँ। मैं निर्णय लेने में भी देर नहीं लगता। मेरी सहायता से घर बैठे-बैठे ही टेलीफोन, पानी और बिजली के बिल जमा किए जा सकते हैं और रेल तथा हवाई जहाज के टिकट खरीदे जा सकते हैं।

मेरी खास सेवा इंटरनेट द्वारा सारी दुनिया की खबर आप ले सकते हैं। ई-मेल द्वारा अपने प्रियजनों को अपने संदेश भेज सकते हैं। सभी के साथ जुड़ सकते हैं, आदि-आदि।

तो हूँ ना बच्चो मैं बड़े काम की चीज़! फिर देर किस बात की। मुझसे झटपट दोस्ती कर लीजिए।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
दूरदर्शन	टेलीविजन या टी.वी.
आकाशवाणी	रेडियो
चिकित्सा	इलाज
वर्तमान	आजकल
कैलकुलेटर	गणित के जोड़, घटा, गुणा, भाग इत्यादि करने वाला यंत्र

पाठ से

1. सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाइए:-

(क) कैलकुलेटर के रूप में कंप्यूटर का निर्माण कब हुआ था?

(I) 1843 में (II) 1842 में

(III) 1846 में (IV) 1847 में

(ख) कंप्यूटर के पिता कौन कहे जा सकते हैं?

(I) चार्ल्स डेविड (II) चार्ल्स मिल्टन

(III) चार्ल्स बैबेज (IV) चार्ल्स टैमिल्टन

(ग) कंप्यूटर के एक आधुनिक रूप का नाम है–

(I) डेस्क्टॉप (II) बेसटॉप

(III) लैपटॉप (IV) इनमें से कोई नहीं

(घ) अपने प्रियजन को हम संदेश भेज सकते हैं–

(I) ई-मेल द्वारा (II) कैलकुलेटर द्वारा

(III) बी-मेल द्वारा (IV) इनमें से कोई नहीं।

(ङ) कम्प्यूटर में अपनी खास बातों को दूसरों से कैसे छिपा सकते हैं?

(I) कम्प्यूटर बंद करके (II) फाइल बंद करके

(III) पासवर्ड डाल करके (IV) पी.पी.टी. बनाकर

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) आजकल कंप्यूटर का उपयोग किन-किन क्षेत्रों में होने लगा है?

(ख लैपटॉप की क्या विशेषता है?

(ग) कंप्यूटर एक सैकेंड में क्या कर सकता है?

(घ) कंप्यूटर से घर बैठे-बैठे कौन-कौन से कार्य किए जा सकते हैं?

(ङ) कंप्यूटर के अलग-अलग हिस्सों के बारे में विस्तार से लिखिए।

(च) आज के जीवन को आसान बनाने के लिए कंप्यूटर हमारी किस-किस प्रकार सहायता करता है?

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए वाक्य से कम से कम छह वाक्य बनाइए। एक वाक्य उदाहरण के लिए दिया जा रहा है।

वकील ने	मेरे भाई को	केस जितवाया।
माता जी ने	मेरी मौसी को	बाज़ार भेजा।
शिक्षक ने	मुझे	बगीचे में देखा।
मोहन ने	सोहन को	शाबाशी दी।

(क) वकील ने मेरे भाई को केस जितवाया।

(ख) वकील ने मेरी मौसी को बाज़ार भेजा।

(ग) वकील ने मुझे बगीचे में देखा।

(घ) वकील ने सोहन को शाबाशी दी।

(ङ) वकील ने मेरे भाई को बाजार भेजा।

(च) वकील ने मुझे शाबाशी दी।

2. उदाहरण के अनुसार क्रिया बदल कर लिखिए:-

खाना	–	खिलाना	उगना	–	उगाना
चलना	–	.....	बनना	–	.....
पीना	–	.....	जगना	–	.....
सोना	–	.....	पढ़ना	–	.....

3. हिंदी साहित्य में लेखक अपनी भाषा को प्रभावी बनाने के लिए कई भाषाओं के शब्दों का प्रयोग करते हैं। संस्कृत से आए जिन शब्दों का ज्यों का त्यों प्रयोग किया जाता है, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। जो शब्द संस्कृत से बदलकर सरल रूप में प्रयोग में आते हैं, उन्हें तद्भव कहते हैं।

आम बोलचाल या देहात से जन्मे शब्द देशज कहलाते हैं। अरबी, फारसी, अंग्रेजी आदि विदेशी भाषा के शब्दों को विदेशी शब्द कहा जाता है। प्रस्तुत पाठ में कंप्यूटर, इंजीनियर आदि अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग हुआ है। ऐसे ही कम-से-कम पाँच अंग्रेज़ी शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखिए और उनका उच्चारण कीजिए।

यह भी जानिए।

कंप्यूटर हमारा सच्चा मित्र है। कंप्यूटर से हम बहुत से काम कर सकते हैं। खेल-मनोरंजन हो या संगीत; अलग-अलग रंग हों या चित्रकारी, कंप्यूटर पर बहुत से काम किए जा सकते हैं। जिन पाठकों को पढ़ने का मन नहीं करता, जिन्हें गणित के सवाल मुश्किल लगते हैं, वे सभी कंप्यूटर से आसानी से सीख सकते हैं। कंप्यूटर पर रिश्तेदारों का फोन नंबर, जन्मदिन की तिथि आदि भी स्टोर कर सकते हैं।

करके सीखिए

कंप्यूटर के संबंध में अधिक-से-अधिक अन्य जानकारियाँ प्राप्त करके उन्हें याद कीजिए। कंप्यूटर के अलग-अलग हिस्से तथा उसके महत्त्व से संबंधित चार्ट कक्षा में लगाइए।

*****

14 आगे बढ़ते जाएँगे

- सुषमा भंडारी

पात्र-परिचय

माँ	-	30 वर्ष
पिता जी	-	32 वर्ष
दामू	-	12 वर्ष
मुन्ना	-	9 वर्ष
गुड्डी	-	7 वर्ष

दामू - मुन्ना, गुड्डी! सोने की कोशिश कीजिए, नींद आ जाएगी।

मुन्ना - भैया नींद नहीं आ रही है, भूख लग रही है।

गुड्डी - मुझे भी नींद नहीं आ रही दामू भैया।

दामू - माँ अंदर रो रही है। पिता जी आज भी पैसे नहीं लाए।

गुड्डी - पिता जी पैसे क्यों नहीं देते माँ को?

मुन्नी - शंकर के पिता जी तो लाते हैं।

गुड्डी - हाँ, उनके घर में तो अच्छा-अच्छा खाना बनता है।

(दामू उन दोनों की बातें सुनकर रोने लगता है।)

गुड्डी - चुप हो जाइए भैया, मुझे भूख नहीं लग रही।

मुन्ना - हाँ, भैया, मुझे भी भूख नहीं लग रही। नींद आ रही है। आप भी सो जाइए।

दामू - (आँखें पोंछते हुए) कल मैं स्कूल नहीं जाऊँगा। कोई काम करूँगा और माँ को पैसे लाकर दूँगा, ताकि माँ खाना बना सके।

मुन्ना - भैया, आपकी पढ़ाई का क्या होगा?

दामू - आप और गुड्डी पढ़ाई कीजिएगा और मैं काम करूँगा। पिता जी तो रोजाना दारू पीकर आते हैं। माँ को और हमें मारते हैं। सारे पैसे खत्म कर देते हैं। मैं घर में बड़ा हूँ, इसलिए मैं काम करूँगा।

(दूसरे कमरे में दामू के पिता बच्चों की सारी बातें सुन रहे थे। वे शर्म से पानी-पानी हो गए। वे बच्चों के पास आए और सबसे माफ़ी माँगी। दामू की माँ भी आ गई।)

पिता जी- आज के बाद मैं शराब नहीं पीऊँगा। बच्चो आप भी मुझसे प्रतिज्ञा कीजिए कि आज के बाद आप कभी नहीं रोएँगे, खूब मन लगाकर पढ़ेंगे।

(आज दामू की माँ रमा और बच्चे बहुत खुश थे। आज का दिन उनके लिए ढेरों खुशियाँ लाया था) सबने एक दूसरे का हाथ पकड़ा और गाने लगे–

खूब पढ़ेंगे, खूब पढ़ेंगे
हम आगे बढ़ते जाएँगे।
दामू होगा लाट साहब
हम सब होंगे कामयाब।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
शर्म से पानी-पानी होना	यह एक मुहावरा है, जिसका मतलब होता है–गलत काम करके पछताना।
दारू	शराब, एल्कोहल,
वादा	कसम, शपथ, वचन
लाट साहब	बड़ा अफसर

पाठ से

(क) दामू के कितने भाई थे?

(I) एक (II) दो
(III) तीन (IV) चार

(ख) स्कूल छोड़ने की बात किसने कही

(I) पिता जी (II) गुड्डी
(III) दामू (IV) मुन्ना

(ग) शर्म से कौन पानी-पानी हो गया था।

(I) माँ (II) पिता जी
(III) मुन्ना (IV) दामू

(घ) बच्चों को नींद क्यों नहीं आ रही थी?

(I) भूख से (II) डर से
(III) खेलने से (IV) इनमें से कोई नहीं

(ङ) माँ रो रहीं थी -

(I) पैसा न होने से (II) खाना न मिलने से
(III) बच्चों के कारण (IV) फिल्म देखकर

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) दामू की माँ क्यों रो रही थी?
(ख) मुन्ना व गुड्डी को नींद क्यों नहीं आ रही थी?
(ग) दामू के पिता जी कहाँ थे?
(घ) दामू ने गुड्डी और मुन्ना से क्या कहा?
(ङ) क्या दामू को पढ़ाई छोड़कर काम करना चाहिए था?
(च) दामू के पिता जी ने क्या वायदा किया और क्यों?

भाषा की बात

1. शर्म से पानी-पानी होना मुहावरा है। ऐसे ही अन्य मुहावरे हैं जैसे-
(1) शर्म से आँखें नीची होना।
(2) आँखें गड़ जाना।
(3) चुल्लूभर पानी में डूब मरना।
(4) कहीं का न रहना।
(5) मुँह छिपाना।
(6) आँखें भीग जाना।

ऊपर लिखे मुहावरों के अर्थ पता करें और उन्हें लिखे भी।

2. शब्दों में 'कर' लगाकर बहुत से शब्द बनते हैं-
नीचे दिए गए शब्दों में 'कर' लगाकर क्रिया शब्द बनाइए।

समझ	समझकर
बिछुड़	---
देख	---
दिखा	---
बन	---

3. समास शब्द का अर्थ है – संक्षेप / समास की सहायता से थोड़े शब्दों में अधिक बात कही जा सकती है। "दो या दो से अधिक शब्दों के मिलने पर जो नया स्वतंत्र पद बनता है, उसे समस्त पद तथा उस प्रक्रिया को समास कहते हैं। समास में बीच की विभक्तियों, शब्दों आदि अव्ययों का लोप हो जाता है।

जैसे -	राजा का पुत्र	-	राजपुत्र
	घोड़े पर सवार	-	घुड़सवार
	गुण से युक्त	-	गुणयुक्त
	धन से हीन	-	धनहीन
	गंगा का तट	-	गंगातट
	माता और पिता	-	माता-पिता

यह भी जानिए

शराब पीने से घर में कलह और लड़ाई होती है। आस-पास मोहल्ले का वातावरण खराब होता है। परिवार के लोग भूख से मरते हैं। शराब पीने से गुर्दे खराब हो जाते हैं, भयंकर बीमारी हो जाती है। आजकल शराब से छुटकारा पाने के लिए दवाइयाँ सरकारी अस्पतालों में मुफ़्त मिलती हैं। सबसे अच्छी बात होती है–किसी भी प्रकार के नशे का सेवन न किया जाए। शराब, गुटका, बीड़ी व सिगरेट सबसे दूर रहना चाहिए। ये चीज़ें जीवन को तबाह और बर्बाद कर देती हैं।

करके सीखिए

- यदि आप पर कोई किसी भी तरह का जुर्म करता है, कष्ट पहुँचाता है, उसको सहन मत कीजिए, उसका सामना कीजिए। उसके खिलाफ़ मिलकर आवाज़ उठाइए।
- नशा भी एक तरह से बीमारी है। लोगों को बताइए, उन्हें जागरूक कीजिए।

*****

15 चाँद का कुर्ता

- रामधारी सिंह 'दिनकर'

हठ कर बैठा चाँद एक दिन, माता से यह बोला–
''सिलवा दो माँ मुझे ऊन का मोटा एक झिंगोला।
सन-सन चलती हवा, रातभर जाड़े में मरता हूँ।
ठिठुर-ठिठुरकर किसी तरह, यात्रा पूरी करता हूँ।
आसमान का सफ़र और यह मौसम है जाड़े का,
न हो अगर तो ला दो मुझको, कुर्ता ही भाड़े का।''
बच्चे की सुन बात कहा माता ने, ''अरे सलोने।
कुशल करे भगवान, लगे मत तुझको जादू-टोने।
जाड़े की तो बात ठीक है, पर मैं तो डरती हूँ,
एक नाप में कभी नहीं, तुझको देखा करती हूँ।
कभी एक अंगुल भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है, और किसी दिन छोटा।
घटता-बढ़ता रोज़, किसी दिन ऐसा भी करता है,
नहीं किसी की भी आँखों को, दिखलाई पड़ता है।
अब तू ही यह बता, नाप तेरा किस रोज़-लिवायें?
सी दें एक झिंगोला जो, हर रोज़ बदन में आये?"

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
हठ	ज़िद
झिंगोला	कुर्ता, मोटा लबादा
भाड़े का	किराए का, पैसे देकर कुछ समय के लिए लाना
बदन	शरीर, तन

कविता से

1. सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाइए:-

(क) चाँद ने झिंगोला सिलवाने की ज़िद क्यों की?

(i) उसे सरदी लग रही थी। (ii) उसे गरमी लग रही थी।

(iii) उसे नए वस्त्र चाहिए थे। (iv) बारिश आ रही थी।

(ख) कौन घटता-बढ़ता रहता है?

(i) झिंगोला (ii) माँ

(iii) चाँद (iv) किराया

(ग) सन-सन करके कौन चल रहा था?

(i) माँ (ii) झिंगोला

(iii) चाँद (iv) हवा

(घ) माँ ने चाँद को क्या कहा?

(i) छोटा (ii) शरारती

(iii) सलोना (iv) मोटा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

(क) हठ करके चाँद माँ से क्या माँग रहा था?

(ख) चाँद किस मौसम की बात कर रहा था?

(ग) चाँद कैसा झिंगोला माँग रहा था?

(घ) माँ चाँद के लिए झिंगोला क्यों नहीं सिलवा पा रही थी?

(ङ) सरदी के मौसम में आप क्या करते हैं?

(च) चाँद के विषय में आप अपने शब्दों में लिखिए।

भाषा की बात

1. कविता में चाँद और माँ पर चंद्र बिंदु है। ऐसे ही तीन अन्य शब्द लिखिए-

क .....

ख .....

ग .....

2. नीचे दिए गए शब्द कविता से लिए गए हैं। इनके उल्टे/विलोम शब्द लिखिए-

(क) मोटा ..... (ख) छोटा .....

(ग) घटता ..... (घ) दिन .....

3. नीचे दिए गए शब्दों को ठीक करके लिखिए-

(क) हट ..... (ख) ठिठुर .....

(ग) कुता ..... (घ) जाढ़ा .....

यह भी जानिए

चाँद पृथ्वी का उपग्रह है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाता है। हमारे देश में चाँद को भी देवता माना जाता है। चाँद हमें रात में दिखाई देता है। चाँद घटता-बढ़ता रहता है। सुंदरता का उदाहरण चाँद से दिया जाता है। तीज-त्योहार व व्रत वाले दिन चाँद की पूजा की जाती है। व्रत करने वाली स्त्रियाँ चाँद को जल चढ़ाकर अपना व्रत खोलती हैं। चाँद देखकर ही पूरे विश्व में ईद का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है।

करके सीखिए

चलिए! चाँद को झिंगोला पहनाएँ।

सामग्री-कैंची, फेविकोल, रंगीन पैन, रंगीन कागज, चार्ट पेपर, सिल्वर पेपर पर ऊन का चूरा

विधि-चार्ट पेपर का आधा हिस्सा लीजिए। रंगीन पेपर को तीन हिस्सों में इस तरह काटिए

चित्र

1. सिल्वर पेपर से एक गोल काटिए।

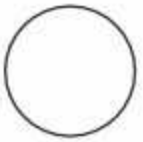

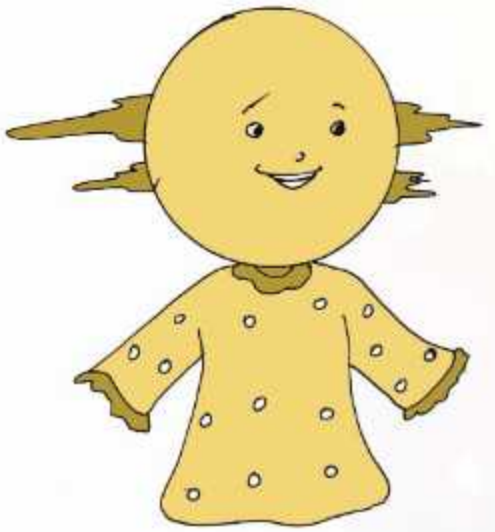

2. काले रंग के पैन से दो गोल आँखें बनाइए।

3. लाल रंग के पैन से सिल्वर रंग के गोल पर मुँह बना दीजिए।

4. चाँद को झिंगोला पहना दीजिए।

2. झिंगोला .....

यात्री .....

सफर .....

मौसम .....

उपरोक्त लिखे गए शब्दों को आप अपने घर की भाषा में क्या कहते हैं? कक्षा में बताइए तथा लिखिए।

*****

छात्र प्रगति रिपोर्ट

शिक्षक/शिक्षिका विगत पाठों से छात्र की प्रगति को निम्न तालिका से अंकित करें। अधिगम संप्राप्ति लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र.सं.	अधिगम संप्राप्ति	3.	2.	1.
		सक्षम है	सहायता से करता/करती है	सुधार की आवश्यकता है
1.	.....			
2.	.....			
3.	.....			
4.	.....			
5.	.....			
6.	.....			
7.	.....			
8.	.....			
9.	.....			
10	.....			

16 अमर वीरांगना

(केवल पढ़ने के लिए)

– डॉ. रवि शर्मा

आजकल के बंग्लादेश के चटगाँव जिले में स्थित बोलपाड़ा ग्राम में 5 मई 1911 ई. को एक विप्लविनी का जन्म हुआ, जिसने अंग्रेज़ सरकार के अत्याचारी अधिकारियों का सफ़ाया किया तथा गोरों को चुन-चुनकर मारा। इस अमर बलिदानी दिव्यात्मा का नाम था–कुमारी प्रीतिलता वादेदार। प्रीतिलता के जन्म के अवसर पर यह कल्पना भी कौन कर सकता था कि जगतबंधु वादेदार के घर जन्म लेने वाली यह फूल-सी कोमल बच्ची एक दिन गोरी सरकार को हिलाकर रख देगी।

प्रीतिलता की पढ़ाई-लिखाई कोलकाता में हुई। वहीं से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण कर वह देश सेवा के कार्यों में लग गई। वह कोलकाता के 'छात्रसंघ' नामक संगठन की सदस्य बनकर समाज सेवा करने लगी। समाज सेवा एवं समाज कल्याण के कार्यों में उसकी बुद्धिमता तथा दूरदर्शिता की चमक पूर्णिमा की चाँदनी की तरह फैलने लगी। प्रीतिलता दिनों-दिन कोलकाता के साहित्यकारों के ही नहीं, बल्कि पत्रकारों के बीच भी लोकप्रिय होती गई। उस समय सारे देश में आज़ादी की ज्वाला धधक रही थी। बंगाल के नवयुवक, नवयुवतियाँ विप्लव की भट्ठी में जलने के लिए व्यग्र हो रहे थे। प्रीतिलता ने जब देश की आज़ादी के लिए सिर पर कफ़न बाँधे इन नौजवानों को निकट से देखा, तो उसे अपने भीतर एक आवाज़ गूँजती हुई महसूस हुई, ''उठ प्रीति, तुझे भी सदियों से दासता की बेड़ियों में जकड़ी भारत माँ को मुक्त कराने के इस यज्ञ में आहुति देनी है।''

आत्मा की यह आवाज़ सुनकर प्रीतिलता की नस-नस फड़कने लगी। भारत माँ की मुक्ति ही अब उसका लक्ष्य था। वह बंग्लादेश के ढाका में संगठित दीपाली संघ की सदस्या बन गई। यहीं वह अनेक क्रांतिकारियों के संपर्क में आई और यहीं से विप्लव करने की दिशा मिली। प्रमुख विप्लवी सूर्यसेन का आशीर्वाद लेकर प्रीतिलता ने विप्लवी कार्यों में भाग लेना आरंभ कर दिया। मास्टर सूर्यसेन के नेतृत्व में चटगाँव के शस्त्रागार पर हमला किया गया था। उस हमले में अनेक विप्लवी गिरफ्तार कर लिए गए तथा कई जलालाबाद पहाड़ी से पलायन कर गए। जलालाबाद युद्ध में लड़े गोरी सरकार के सैनिकों से बदला लेने के लिए प्रीतिलता वादेदार संकल्पबद्ध हो गई। वह अपने साथियों-रजतकुमार सेन, देवी प्रसाद गुप्त, स्वदेश राय, मनोरंजन सेन, फणींद्रनाथ एवं सुबोध घोष के साथ पहाड़ी तल्ली के यूरोपियन क्लब पहुँच गई।

24 सितंबर सन् 1931 ई. का दिन था। प्रीतिलता तथा उसके साथी और विप्लवियों ने यूरोपियन क्लब की ओर नज़र दौड़ाई। देखा, सारे यूरोपियन पुरुष और महिलाएँ शराब के नशे में धुत हो चुके थे। उसी समय अवसर पाकर प्रीतिलता के साथियों ने यूरोपियन क्लब पर आक्रमण कर दिया। प्रीतिलता ने रिवाल्वर निकाल कर पता नहीं कितने अंग्रेज पुरुष और महिलाओं को मार डाला। वह साहस की मूर्ति रणचंडी बनी हुई थी। कर्नल स्मिथ और मिस्टर फारसर की सशस्त्र फौज से प्रीतिलता सिंहनी के समान लड़ रही थी। 'भारत माता की जय', 'मास्टर सूर्यसेन जिंदाबाद', 'वंदे मातरम', के गगन भेदी नारे गूँज रहे थे। अंग्रेज़ी फ़ौजें अमावस्या की काली रात थी, तो मुट्ठी भर विप्लवी जुगनू। अंग्रेज़ फ़ौज ने विप्लवियों को चारों ओर से घेर लिया था। दोनों तरफ से दनादन गोलियाँ चल रही थीं। इस लड़ाई में अनेक विप्लवी मातृभूमि की गोद में चिरनिद्रा में सो गए।

अचानक प्रीतिलता ने पाया कि उसके रिवाल्वर में कारतूस खत्म हो गए हैं। वह भावी रणनीति पर विचार

कर रही थी कि तभी एक गोली उसके पाँव में लगी। आगे बढ़ना या भागना संभव नहीं था। उसके सामने दो ही विकल्प थे–अंग्रेज़ों के सामने आत्मसर्पण कर देना या मौत को गले लगाना। आज़ादी के दीवाने भला मौत से कब डरते हैं? वे तो सदा सिर पर कफ़न बाँधकर निकलते हैं। प्रीतिलता को निर्णय लेने में एक क्षण भी नहीं लगा। शत्रु के सम्मुख घुटने टेकने से बेहतर था, हँसते-हँसते मातृभूमि के लिए बलिदान हो जाना। प्रीतिलता ने भी यही किया। उसने 'भारत माता की जय', 'वंदेमातरम' का जयघोष किया और अपने पास छिपाकर रखा 'साइनाइड' विष खा लिया। साइनाइड खाते ही उसके प्राण पखेरू उड़ गए। प्रीतिलता 20 वर्ष की अल्पायु में ही देश के लिए शहीद हो गई।

मातृभूमि की वेदी पर बलिदान होने वाली वीरांगनाओं में प्रीतिलता का नाम इतिहास के रक्तरंजित पृष्ठों पर स्वर्णाक्षरों में लिख गया। ऐसी दुर्लभ वीरांगनाएँ मर कर भी अमर हैं।

17 बच्चों का प्रण

- संकलित

आज विद्यालय में स्वच्छता शिविर लगा है। सभी विद्यार्थी सफ़ाई अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इतने में विद्यालय में एक गाड़ी आई, जिस पर 'स्वास्थ्य विभाग' लिखा हुआ था। उस गाड़ी में से नीली वर्दी पहने एक आदमी उतरा। उसने अपनी पीठ पर एक सिलेंडर लगा रखा था। उसकी नली को हाथ में लेकर वह नालियों में तथा मूत्रालय के आस-पास एक तरल पदार्थ का छिड़काव करने लगा। उसने एक पाउडर भी नालियों में डाला। यह देखकर छात्रों में हलचल-सी होने लगी। राहुल ने मैडम से पूछा, ''ये लोग कौन हैं और क्या कर रहे हैं?''

मैडम ने उत्तर दिया, ''ये स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी हैं, जो दवा का छिड़काव कर कीटाणुओं को खत्म कर रहे हैं। इससे रोग नहीं फैलते।''

यह सुनकर राजीव बोला, ''मैडम रोग कैसे फैलते हैं?''

मैडम ने बताया, ''मच्छर-मक्खियों के पनपने से, घर में ताज़ी हवा न आने से, गलियों में कूड़ा-करकट इकट्ठा होने से तरह-तरह के रोग फैल जाते हैं।''

तभी शालिनी ने पूछा, ''मैडम इन रोगों के नाम क्या हैं? इनसे बचाव कैसे हो सकता है?''

मैडम ने समझाते हुए कहा, ''देखो, इस तरह फैलने वाले रोग हैं, हैजा, खसरा, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि।''

इन रोगों में से हैजा, खसरा आदि से बचने के लिए तो टीके लगाए जाते हैं, परंतु अन्य से बचाव के लिए साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है। इसके लिए घर के आसपास गंदा पानी एवं कूड़ा जमा न होने दें। साफ़ पानी के टैंकों में भी लाल दवा डाली जानी चाहिए। इसके अलावा आपके घरों की छतों पर पुराने डिब्बे, बरतन, टायर आदि पड़े रहते हैं, जिसमें पानी जमा होने पर मच्छर पनपते हैं, इसलिए इन्हें भी घर में नहीं रखना चाहिए। अपने भोजन और पानी के विषय में भी सावधान रहना बहुत आवश्यक है। हमेशा ताज़ा भोजन करने तथा ढका हुआ साफ़ पानी पीने से रोग नहीं होते।

''मैडम खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से मलमल कर हाथ धोना भी तो आवश्यक है ना?'' एकदम से राधिका चहककर बोली।

''शाबाश बेटे, आपने बिलकुल ठीक कहा।'' मैडम ने खुश होकर कहा।

तभी अंकित ने पूछा, ''मैडम अपने घर की सफ़ाई तो हम कर लेंगे, पर पूरे शहर की सफ़ाई कौन करेगा?''

मैडम ने उत्तर देते हुए बताया, ''शहरों में नगर निगम अथवा नगरपालिका के सफ़ाई कर्मचारी पूरे शहर को साफ़ रखने में सहयोग देते हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पूरे शहर को कीटाणुओं मुक्त करने तथा रोगों को फैलने से रोकने का प्रयास करते हैं, लेकिन यदि हर नागरिक अपने घर के अतिरिक्त अपनी गली, मुहल्ले और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखें, तो हमारा पूरा शहर एवं देश स्वच्छ हो जाएगा, स्वस्थ हो जाएगा। कहते हैं न- 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत।'

इस प्रकार सभी प्रश्नों का उत्तर देकर मैडम ने सभी छात्रों को एक प्रण करवाया कि वे सभी भविष्य में अपने घर, विद्यालय और मुहल्ले को साफ रखेंगे।

सभी बच्चों ने प्रसन्नतापूर्वक यह प्रण किया और घर चले गए।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
शिविर	कैंप
कर्मचारी	काम करने वाले
हैजा	गंदगी से फैलने वाले रोग
खसरा	गंदगी से फैलने वाले रोग

पाठ से

प्र.1. पाठ के आधार पर सही विकल्प पर सही का निशान (✔) लगाइए–

(क) विद्यालय में किस विभाग से गाड़ी आई थी–

(i) शिक्षा विभाग से (ii) स्वास्थ्य विभाग से

(iii) पेयजल विभाग से (iv) पुलिस विभाग से

(ख) कीटाणुओं से फैलने वाले रोगों के नाम हैं–

(i) हैजा (ii) डेंगू

(iii) मलेरिया (iv) ये सभी

(ग) साफ़ पानी के टैंकों में कौन-सी दवा डाली जानी चाहिए–

(i) लाल दवा (ii) पीली दवा

(iii) नीली दवा (iv) हरी दवा

(घ) **दिल्ली शहर की सफ़ाई की जिम्मेदारी किस विभाग की है–**

(i) बिजली विभाग (ii) जल विभाग

(iii) नगर निगम (iv) शिक्षा-विभाग

प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी ने विद्यालय में आकर क्या-क्या किया?

(ख) रोग कैसे फैलते हैं?

(ग) हमें साबुन से कब-कब हाथ धोने चाहिए?

(घ) मैडम ने छात्रों से क्या प्रण करवाया?

(ङ) रोगों से बचाव किस प्रकार किया जा सकता है?

(च) सफ़ाई का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है?

भाषा की बात

1. **विशेष–**

पाठ में कुछ शब्द आए हैं–ताज़ी हवा,साफ पानी यहाँ 'ताज़ी' और साफ़' शब्द विशेषण हैं, जो 'हवा' और 'पानी' की विशेषता बता रहे हैं। इसी प्रकार नीचे दिए गए शब्दों के साथ आप विशेषण लगाकर नए शब्द बनाइए–

(क) काला घोड़ा (ङ) .....पानी

(ख) .....भोजन (च) .....वर्दी

(ग) .....कपड़ा (छ) .....दीवार

(घ) .....पुस्तक (ज) .....शरीर

विशेषण - वे शब्द, जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, उन्हें विशेषण कहते है।

2. **प्रस्तुत पाठ में कुछ ऐसे शब्द आए है, जिन्हें दो हिस्सों में बाँटा जा सकता है, जैसे–**

विद्यालय–विद्या + आलय

मूत्रालय–मूत्र + आलय

इन सभी शब्दों के पहले शब्द के अंतिम वर्ण और दूसरे शब्द के पहले वर्ण का मेल हुआ है। वर्णो का यह मेल **संधि** कहलाता है। नीचे दिए शब्दों मे वर्णों का मेल करके आप भी संधि के आधार पर नए शब्द बनाइए–

(क) देव + आलय = देवालय (घ) भोजन + आलय = ...

(ख) हिम + आलय = ... (घ) पुस्तक+ आलय = ...

(ग) शिव + आलय = ... (घ) मेघ + आलय = ...

जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं

जैसे :- आम - आम का फल, सर्वसाधारण सामान्य आदि।

अंश - हिस्सा कोण का अंश आदि।

निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखिए -

(i) कर - .....

(ii) कृष्ण - .....

(iii) ग्रहण - .....

(iv) धन - .....

(v) जड़ - .....

यह भी जानिए

हमारे जीवन में स्वच्छता के साथ-साथ व्यायाम का भी महत्व माना जाता है। महात्मा गाँधी जी ने एक जगह लिखा है, ''जिस प्रकार भूख लगने पर हम कोई काम नहीं कर सकते, उसी प्रकार कसरत की ऐसी पक्की आदत डाल लेनी चाहिए कि उसके बिना और कोई काम ही न कर सको।'' सचमुच भोजन यदि हमारे लिए बहुत आवश्यक है, तो व्यायाम भी बहुत ज़रूरी है। भोजन से शरीर मजबूत बनता है, लेकिन व्यायाम शरीर की मजबूती को लंबे समय तक बनाए रखता है। पशु-पक्षी उड़कर या चल फिर कर अपने हिसाब से कसरत करते हैं। दूध-पीता बच्चा भी हाथ-पैर मारकर अपने आपको मजबूत बनाता है। इसलिए हमें प्रण लेना चाहिए कि स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ हम रोज़ कसरत भी करते रहेंगे।

करके सीखिए

आप सभी अपने-अपने घर के अंदर, आस-पास, विद्यालय में और उसके आस-पास सफ़ाई कीजिए। अपने बड़े-बुजुर्गों से सफ़ाई रखने के तरीके और उसके महत्व के संबंध में जानिए तथा कक्षा में सभी विद्यार्थियों को उसकी जानकारी दीजिए।

*****

18 नदी ने कहा

- नवनीत अग्रवाल

(मंच पर पर्दा खुलता है। एक लड़की जिसने मटमैले से कपड़े पहने हैं, खड़ी है। वह पुराना, बदरंग सा मुकुट लगाए हुए है। उसके चारों ओर आसमानी रंग के दुपट्टों से नदी की लहरों को चित्रित किया गया है। नदी के दोनों ओर चार-चार बच्चे पंक्तिबद्ध साधारण वेशभूषा में खड़े हैं)

नदी–बच्चो तुमको आज सुनाऊँ,
मेरी गाथा मेरी जुबानी।
शुरू हुई कब यह तुम जानो,
मैं सबकी जानी-पहचानी।।
एक बच्चा–सारी दुनिया में तुम बहती,
कहती है हम सबकी नानी।
जन्म तुम्हारा हुआ कहाँ से,
बतलाओ तुम नदिया रानी।।
नदी–धरती माता की हूँ बेटी,
पर्वत के उर से हूँ निकली।
सबको जीवन देने के हित,
जंगल-जंगल में बह चली।
दूसरा बच्चा–थमना, रुकना और ठहरना,
तुमको पसंद न जल की दानी।
फिर क्यों रूप हुआ यह मैला,
यह बतलाओ, नदिया रानी।।
नदी–ऊँचे-ऊँचे बाँध बनाकर,
मेरी गति पर रोक लगाकर।
तीसरा बच्चा–इतने सारे गाँव डुबाकर,
हरी-भरी खेती उजाड़कर।
किन लोगों को कौन फायदा,
पहुँचेगा सब कुछ बिगाड़कर।।
नदी–मैं क्या जानूँ मनुज भेस में,
कौन दरिंदे ठगते सबको।
काट रहे जो मेरे तट पर,
फैले हुए हरे पेड़ों को।।
चौथा बच्चा–धरती का शृंगार है जंगल,
अगर मिटेगा तो क्या बचेगा?
प्राणों का आधार है नदिया,
बिना तुम्हारे कैसे चलेगा?

नदी–सारा जंगल अगर कटेगा,
मिट जाएगी दुनिया सारी।
अगर मिटेगी मेरी हस्ती,
तो मच जाएगी हाहाकारी।।
पाँचवाँ बच्चा–तेरे जल को गंदा करके,
कूड़ा, करकट, मूत्र बहाकर।
बोलो क्या पाएगा प्राणी,
तुम्हें बनाकर गंदी नाली।।
नदी–चारों तरफ ज़हर फैलेगा,
नहीं मिलेगा सबको पानी।
सभी प्यास से मर जाएँगे,
रहा आज भी चुप जो प्राणी।।
(समवेत् स्वर में) हम सब मिलकर काम करेंगे।
साफ़ करेंगे मिलकर तुमको,
हम सब फिर खुशहाल रहेंगे।।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द		अर्थ
बदरंग	–	जिसका रंग उड़ा हुआ हो।
पंक्तिबद्ध	–	कतार से
गाथा	–	कहानी
उर	–	हृदय (दिल)
हित	–	भलाई
गति	–	चाल
दरिंदे	–	बुरे काम करने वाले
तट	–	किनारा
शृंगार	–	साज-सजावट

कविता से

(1) सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाइए–

(क) नदी किसकी बेटी है?

(i) समुद्र (ii) धरती

(iii) पहाड़ (iv) पेड़

(ख) 'नदी ने कहा' नामक कविता सिके द्वारा रचित है?

(i) सुषमा भंडारी (ii) महादेवी वर्मा

(iii) नवनीत अग्रवाल (iv) सुरम्या शर्मा

(ग) नदी के तट को काटने पर क्या होगा?

(i) बाढ़ आना (ii) सूखा पड़ना

(iii) बारिश होना (iv) भूकम्प आना

(घ) कविता में कौन कह रहा है कि मैं सबसे जानी-पहचानी?

(i) धरती (ii) पेड़

(iii) हवा (iv) नदी

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) नदी के रूप मैला कैसे हुआ?

(ख) नदी को प्राणों का आधार क्यों कहा गया है?

(ग) नदी कहाँ से निकलती है?

(घ) हम नदियों को किस प्रकार साफ रख सकते हैं?

(ङ) अगर नदियाँ नहीं होंगी तो क्या होगा?

भाषा की बात

(1) मछली पर लिखे गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द मछली के पेट में सुन्दरता से लिखिए:-

(1) 'नभ' और 'आकाश' समान अर्थ रखने के कारण समानार्थी शब्द हैं।

नीचे स्तंभ एक में कुछ शब्द दिए गए हैं, जिनके समानार्थी शब्द स्तंभ दो में दिए गए हैं। इनका आपस में मिलान कीजिए।

भाग 'क'

स्तंभ एक	स्तंभ दो
नदी	मानव
जंगल	वृक्ष
धरती	पहाड़
पर्वत	पुत्री
पेड़	सरिता
तट	वन
मनुज	किनारा
बेटी	भू

समानार्थी शब्द– **आपस में समान अर्थ रखने वाले शब्द समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।**

3. शब्द पहेली–नीचे चौखाने में एक शब्द पहेली दी गई है। इस पहेली में से आप इस काव्य नाटक में आए शब्द छाँटिए और रिक्त स्थान में लिखिए–

मा	चु	ना	नी	ग	दा	बाँ	बा	सं
बि	प	गा	ज	ल	र	ध	क	सा
दु	हुँ	आ	जं	ज़	फि	जी	र	र
नि	चे	धा	ग	ह	र	व	बे	दा
या	गा	र	ल	र	ती	न	टी	नी

1 दुनिया	3.....	5.....	7.....	9.....				
2.....	4.....	6.....	8.....	10.....				

(3) कुल – योग

कुल – किनारा

उपरोक्त दोनों शब्द समरूपी भिन्नार्थक शब्द हैं।

इसी प्रकार के कुछ शब्द नीचे दिए जा रहे हैं इनके अर्थ बताइए –

अन्य –

अन्न –

अवधी –

कोष –

कोश –

समरूपी भिन्नार्थक शब्द – जो शब्द सुनने में एक जैसे लगते हैं परन्तु उनके अर्थ में भिन्नता होती है। उन्हें समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

यह भी जानिए

भारत में अनेक नदियाँ हैं। गंगा प्राचीन नदियों में से एक महत्त्वपूर्ण नदी है। भारतवासी गंगा को 'माँ' मानते हैं क्योंकि गंगा माँ की भाँति सभी प्राणियों को जीवन देती है। गंगा और यमुना का मिला जुला मैदानी भाग आर्यवर्त कहलाता है। यहीं से भारतीय संस्कृति का प्रसार हुआ। उत्तर भारत में सिंचाई का प्रमुख साधन गंगा ही है। हमें गंगा समेत सभी नदियों को स्वच्छ रखना चाहिए, जिससे हमें इनका पूरा लाभ मिल सके।

करके सीखिए

आइए नारे (स्लोगन) बनाएँ। इस काव्य नाटक को पढ़ने के बाद जीवन को सुखी बनाने के लिए इस तरह के नारे बनाए जा सकते हैं–

कूड़ा करकट न फैलाएँ।
अपना जीवन सुखी बनाएँ।।

जन्मदिन पर पेड़ लगाएँ।
वातावरण को शुद्ध बनाएँ।।

नदियाँ हैं जीवन आधार।
इनको करना माँ सा प्यार।।

इसी प्रकार के कम से कम दो दो नारे बनाइए तथा कक्षा में उन्हें एक-दूसरे को सुनाइए तथा चार्ट पर लिखकर कक्षा में लगाइए।

2. भारत की विभिन्न नदियों में से किसी एक नदी पर लोकगीत अपनी दादी/नानी से सुनिए, उसे याद कीजिए और अपनी कक्षा में सुनाइए।

*****

छात्र प्रगति रिपोर्ट

शिक्षक/शिक्षिका विगत पाठों से छात्र की प्रगति को निम्न तालिका से अंकित करें। अधिगम संप्राप्ति लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र.सं.	अधिगम संप्राप्ति	3.	2.	1.
		सक्षम है	सहायता से करता/करती है	सुधार की आवश्यकता है
1.	.....			
2.	.....			
3.	.....			
4.	.....			
5.	.....			
6.	.....			
7.	.....			
8.	.....			
9.	.....			
10	.....			

19 नई दिशा

- सुरम्या शर्मा

''बीबी जी, आज छोटी बेटी को भी लाई हूँ।'' वीणा ने विभा से कहा।

''यह कितने साल की है?'' विभा ने पूछा

''अभी ग्यारहवें साल में लगी है। सोचा कि अब वह बड़ी हो गई है, तो मेरा हाथ बँटा लेगी।'' वीणा ने बताया।

वीणा, विभा के घर पर सफ़ाई करती थी। वीणा, अपनी छोटी बेटी,सीमा को हर रोज़ विभा के घर पर लाने लगी। विभा का एक बेटा, राहुल तथा एक बेटी स्नेहा थी।

एक दिन सीमा ने स्नेहा से पूछा, ''दीदी, तुम रोज़ कहाँ जाती हो?''

''मैं हर रोज़ स्कूल जाती हूँ।'' स्नेहा ने उत्तर दिया।

''क्यों?''

''स्कूल जाने से हमें विद्या मिलती है। विद्या से हम बड़े व्यक्ति बनते हैं।'' स्नेहा ने बताया।

''क्या मैं भी बड़ी व्यक्ति बन सकती हूँ?'' सीमा ने पूछा।

''हाँ, क्यों नहीं, तुम भी बड़ी व्यक्ति बन सकती हो।'' स्नेहा ने कहा।

स्नेहा की बात सुनकर सीमा ने कुछ सोचा, फिर अपने काम में लीन हो गई। कुछ दिनों के बाद, एक दिन, जब स्नेहा घर लौटी तो उसका चेहरा खिला हुआ था। स्नेहा ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। पुरस्कार में उसे सरस्वती जी की मूर्ति मिली थी।

सीमा ने पूछा, ''दीदी, यह देवी की मूर्ति कहाँ से लाई?''

''मैं वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आई हूँ। उसी का पुरस्कार है।'' स्नेहा ने बताया।

''वाद-विवाद क्या होता है? पुरस्कार क्या होता है?'' सीमा ने पूछा।

''वाद-विवाद का मतलब किसी विषय पर बहस करना होता है। पुरस्कार, इनाम को कहते हैं।'' स्नेहा ने बताया।

''मुझको भी इनाम मिलता है, जब मैं अच्छा काम करती हूँ।'' सीमा ने कहा।

''हाँ, यह भी उसी की तरह है।'' स्नेहा ने कहा।

''यानि मैं भी यह इनाम जीत सकती हूँ।'' सीमा खुशी से बोली।

हर रोज़ की तरह वीणा, सीमा के साथ विभा के घर आती, काम करके चली जाती। सीमा को भी मज़ा आने लगा। सीमा, स्नेहा तथा राहुल के साथ बातें करती और हवाई किले बनाती। इसी तरह साल का अंत आ गया। आज राहुल को परीक्षा का परिणाम मिलना था। राहुल के घर पहुँचते ही घर का वातावरण बदल गया। सब ओर खुशी की लहर दौड़ पड़ी। राहुल ने गेंदे के फूलों से बनी एक माला पहनी हुई थी। सीमा ने स्नेहा से पूछा, ''दीदी, आज सब घर में इतने खुश क्यों हैं? क्या आज राहुल भैया की शादी है? उन्होंने एक माला भी पहन रखी है। मेरे भैया की भी सत्रह साल की उम्र में शादी हो गई थी।''

''अरे राहुल भैया की शादी थोड़ी ना है, भैया स्कूल में द्वितीय आए हैं। उन्हें पंचानवे प्रतिशत अंक मिले हैं। इसलिए घर पर सब लोग इतने खुश हैं।'' स्नेहा ने सीमा को समझाया।

''लेकिन उन्होंने माला क्यों पहनी हुई है?'' सीमा ने पूछा।

''स्कूल वालों ने उन्हें फूल की माला से सम्मानित किया है। इसलिए उन्होंने फूलों की माला पहनी हुई है।'' स्नेहा ने बताया।

''क्या मैं भी फूलों की माला पहनूँगी?'' सीमा ने पूछा।

''हाँ, हाँ क्यों नहीं, तुम भी माला पहनोगी।'' स्नेहा ने उत्तर दिया।

सीमा को यह सुनकर बहुत खुशी हुई। उसने सोचा कि वह भी बड़े-बड़े इनाम ला सकती है, वह भी अच्छे अंक ला सकती है। उसका भी पढ़ने का मन करने लगा।

अगले दिन जब स्नेहा स्कूल से घर लौटी, तब सीमा ने पूछा, ''दीदी, क्या मैं भी पढ़ सकती हूँ?''

''हाँ, तुम भी पढ़ सकती हो।'' स्नेहा ने मुस्करा कर कहा।

''क्या आप मुझे पढ़ाओगे?'' सीमा ने डरते हुए पूछा।

''अगर तुम चाहो, तो मैं तुम्हें पढ़ा सकती हूँ।'' स्नेहा ने कहा।

''अरे वाह! अब मैं भी पढ़ूँगी।'' सीमा खुशी से झूम उठी।

अब हर रोज़ अपना काम समाप्त करने के बाद, सीमा मन लगाकर पढ़ाई करती। स्नेहा अपनी पुरानी पुस्तकें उसे पढ़ने के लिए देती। कुछ समय बाद जब सीमा कुछ पढ़-लिख गई, तब विभा ने वीणा से बात कर सीमा को एक स्कूल में दाखिल करवा दिया।

सीमा ने बहुत सारे पुरस्कार जीते तथा मन लगाकर पढ़ाई करती रही। उसे जीवन में एक नई दिशा मिल गई थी।

नवीन शब्द एवं अर्थ

शब्द	अर्थ
प्रथम	पहला
पुरस्कार	इनाम
परिणाम	नतीजा
वातावरण	माहौल
द्वितीय	दूसरा
पंचानवे प्रतिशत	सौ में से पंचानवे
सम्मानित करना	मान बढ़ाना
वाद-विवाद	बहस
हाथ बँटाना	काम में सहायता करना
हवाई किले बनाना	कल्पना करना
खुशी की लहर दौड़ना	बहुत खुश होना

पाठ से

1. सही उत्तर चुनकर लिखिए–

(क) सीमा की माँ का नाम.....

(ख) विभा की बेटी का नाम.....

(ग) स्नेहा के भाई का नाम.....

(घ) वीणा की बेटी का नाम.....

(ङ) राहुल की माँ का नाम.....

किसने कहा –

(अ) यह कितने साल की है?.....,

(आ) विद्या से हम बड़े व्यक्ति बनते हैं।.....

(इ) लेकिन उन्होंने माला क्यों पहनी हुई है?.....

(ई) अभी ग्यारहवें साल में लगी है।.....

(उ) अरे वाह! अब मैं भी पढ़ूँगी.....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

(क) स्नेहा को किस प्रतियोगिता में क्या पुरस्कार मिला?

(ख) सीमा को ऐसा क्यों लगा कि राहुल की शादी है?

(ग) सीमा को पढ़ने का मन क्यों करने लगा?

(घ) स्कूल में सीमा का दाखिला किसने तथा कब करवाया?

(ङ) विद्या से हम बड़े व्यक्ति कैसे बन सकते हैं?

(च) स्नेहा कौन थी? उसने स्कूल में पढ़ना कैसे शुरू किया?

(छ) यदि स्नेहा की जगह आप होते, तो सीमा के लिए और क्या-क्या करते?

भाषा की बात

1. दो अलग-अलग व्यंजनों को मिलाकर लिखे जाने पर उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं। कुछ संयुक्त व्यंजन अपना रूप ही बदल देते हैं, जैसे-क्ष, त्र, ज्ञ, श्र और कुछ अपना रूप नहीं बदलते जैसे-द्य, ग्य, स्त, स्व आदि। नीचे लिखें संयुक्त व्यंजनों से उदाहरण की तरह शब्द लिखिए–

क्ष (क्+ष)–कक्षा ....

त्र (त्+र)–पत्र ....

ज्ञ (ज्+ञ)–ज्ञान ....

श्र (श्+र)–श्रमिक ....

द्य–विद्या ....

स्त–पुस्तक ....

ग्य–ग्यारह ....

प्र–प्रथम ....

प्त–प्राप्त ....

2. एक जैसे व्यंजनों को मिलाकर लिखे जाने पर उन्हें द्वित्व व्यंजन कहते हैं, जैसे–त्त, म्म, न्न, द्द आदि इन द्वित्व व्यंजनों से दो-दो शब्द लिखिए–

त्त – ....

म्म – ....

न्न – ....

द्द – ....

क्क – ....

ल्ल – ....

3. बोलते समय हम कभी-कभी थोड़ी देर के लिए तो कभी ज्यादा देर के लिए रुकते हैं। लिखते समय इनके लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग करते हैं, इन्हें विराम चिह्न कहते हैं। ये कई प्रकार के होते हैं, जैसे–

	विराम	चिह्न	स्थान
(i)	पूर्ण विराम	।	वाक्य के अंत में
(ii)	अल्प विराम	,	दो से अधिक शब्द होने पर, पुकार वाले शब्द के बाद, जुड़े जुए दो वाक्यों के बीच में
(iii)	प्रश्नवाचक	?	प्रश्न वाले वाक्य के अंत में
(iv)	उद्धरण	"–"	किसी की कही हुई बात को वैसे ही लिखने पर
(v)	विस्मयादिबोधक	!	किसी भाव को प्रकट करनेवाले शब्द या वाक्य में अंत में

उदाहरण

(i) पूर्ण विराम– मैं हर रोज़ स्कूल जाती हूँ।

(ii) अल्प विराम– अब स्नेहा, राहुल और सीमा साथ-साथ पढ़ने लगे। दीदी, मैं भी पढ़ूँगी।

वह बड़ी हो गई है, तो मेरा हाथ बँटा लेगी।

(iii) प्रश्नवाचक– क्या मैं भी पढ़ सकती हूँ?

(iv) उद्धरण– "अभी ग्यारहवें साल में लगी हैं।" वीणा ने कहा।

सीमा ने पूछा– "यह देवी की मूर्ति कहाँ से लाई?"

(v) विस्मयादिबोधक– अरे वाह! मैं भी पढ़ूँगी!

ऊपर लिखे हर एक विराम चिह्न के दो-दो उदाहरण लिखिए।

4. **क्रिया विशेषण :** क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं। जैसे :- सुमन धीरे-धीरे चलती है। यहाँ धीरे-धीरे क्रिया की विशेषता बता रहा है।

आप भी क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों से दो वाक्य बनाइए।

1. .....

2. .....

यह भी जानिए

शिक्षा का अधिकार सबको है। हमारे देश में बच्चे-बड़े सभी को पढ़ने की सुविधा है। बच्चों के लिए सस्ते-महँगे सभी तरह के स्कूल हैं। यहाँ तक कि सरकारी स्कूल में फ़ीस भी नहीं लगती। स्कूल की ओर से ही बच्चों को कपड़े, किताब, कॉपियाँ और भोजन भी मिलता है। कई योजनाएँ ऐसी हैं, जिनके द्वारा बच्चों को समय-समय पर रुपए भी मिलते हैं।

बड़ों के लिए प्रौढ़ शिक्षा केंद्र बनाया गया है। शिक्षा से ही बुद्धि बढ़ती है। कहा जाता है कि शिक्षा के बिना मनुष्य पशु के समान है।

करके सीखिए

1. एक कागज पर सुंदर अक्षरों में लिखिए–

   सब पढ़ें, सब बढ़ें

2. वाद-विवाद का अर्थ होता है–बहस। किसी भी विषय को सही या गलत मानकर अपने विचार बताना ही वाद-विवाद कहलाता है। नीचे लिखे विषयों पर अपनी कक्षा में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित कीजिए–

   शिक्षा से ही बुद्धि बढ़ती है।

   शिक्षा प्राप्त करने की कोई उम्र नहीं होती।

*****

20 दोहा पंचक

- कबीर दास

दु:ख में सुमिरन सब करें, सुख में करै न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे, तो दु:ख काहे को होय।।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।।

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब।।

ऐसी बानी बोलिए, मन का आप खोइ।
आपन को सीतल करे, औरहु सीतल होइ।।

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।।

<u>नवीन शब्द एवं अर्थ –</u>

शब्द	अर्थ
सुमिरन	स्मरण करना/याद करना
कोय	कोई
पंथी	पथिक/यात्री
लागे	लगना
काल	कल
पल	समय
प्रलय	सब कुछ नष्ट हो जाना
बहुरि	फिर
आपा	क्रोध
आपन	स्वयं को
सीतल	ठंडा/शांत
ऋतु	मौसम

कविता से –

1. सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाइए:-

(क) 'माली सींचे सौ घड़ा ऋतु आये फल होय' इस पंक्ति में 'ऋतु' का क्या अर्थ है?

(i) मौसम (ii) दिन

(iii) वर्ष (iv) महीना

(ख) ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोइ यहाँ 'आपा' का अर्थ क्या है?

(i) अपना (ii) सम्मान

(iii) खुशी (iv) दु:ख

(ग) खजूर के पेड़ में फल कहाँ लगता है?

(i) नीचे (ii) नजदीक

(iii) बहुत ऊँचाई पर (iv) आगे

(घ) पल भर में ही क्या हो सकता है?

(i) प्रलय (ii) लाभ

(iii) नुकसान (iv) हानि

(ङ) 'दु:ख में सुमिरन सब करें' इस पंक्ति को पूरा करने के लिए सही वाक्य का चयन कीजिए-

(i) पंथी को छाया नहीं (ii) सुख में करे न कोय

(iii) बहुरी करोगे कब (iv) फल लागे अति दूर

(च) 'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब' एवं 'धीरे-धीरे रे मना धीरे सब कुछ होय' इन दोनों पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या समझाना चाहते हैं?

(छ) खजूर के पेड़ की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

भाषा की बात

(1) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची/समानार्थी शब्द दिए गए बॉक्स में से चुनकर लिखिए–

क्षण, राहगीर, समाप्त, घट, क्यों, मौसम

ऋतु	.....	प्रलय-	.....
घड़ा	.....	पंथी-	.....
पल	.....	काहे-	.....

(2) आप जानते है कि 'तत्सम' शब्द का अर्थ है–संस्कृत के समान शब्द। 'तद्भव' शब्द का अर्थ है– बोलचाल में प्रयुक्त होने वाले शब्द। जैसे–स्मरण (तत्सम), सुमिरन (तद्भव)। निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूपों को पाठ से चुनकर लिखिए–

स्मरण–	.....	पथिक–	.....
वाणी–	.....	पंथी–	.....
शीतल–	.....	कल–	.....

(3) समान तरह के अंत होने वाले शब्दों को तुकांत या तुकबंदी वाले शब्द कहते हैं। पद्य में तुकांत शब्दों का प्रयोग सौंदर्यवर्धन एवं गेयता में सहायक होता है। जैसे–कोय–होय। पाठ में प्रयुक्त तुकांत शब्दों को चुन कर लिखिए।

....

....

....

....

(4) मंजुल, मनोरथ, अभिलाषा इन शब्दों के अर्थ को शब्दकोष में से खोज कर लिखिए।

यह भी जानिए

संत कबीर दास जी को समाज सुधारक कवि के रूप में जाना जाता है। कबीर का अर्थ अरबी भाषा में महान होता है। कबीरदास ने हिंदू–मुसलमान का भेद मिटा कर हिंदुओं तथा मुसलमान फ़कीरों का सत्संग किया और अच्छी बातों को हृदयंगम कर लिया। संत कबीर ने स्वयं ग्रंथ नहीं लिखे, मुँह से बोले और उनके शिष्यों ने उसे लिख लिया। कबीरदास अनपढ़ थे। वे एक ही ईश्वर को मानते थे और कर्मकांड तथा धार्मिक आडंबरों के घोर विरोधी थे। अवतार, मूर्ति, रोज़ा, ईद, मजिस्द, मंदिर आदि को वे नहीं मानते थे। कबीर की वाणी का संग्रह 'बीजक' के नाम से प्रसिद्ध है। इसके तीन भाग हैं– साखी, सबद और रमैनी।

करके सीखिए

(1) अपने जीवन में जरूरतमंदों की मदद करें, कोई भी काम अगले दिन के लिए न टालें, सभी से प्रेम और आदर से बोलें, किसी भी काम में जल्दबाजी न करें और धैर्य पूर्वक काम करें।

(2) कबीर, रहीम और तुलसी के कुछ दोहों का संकलन कर चार्ट–पेपर पर लिखकर कक्षा में लगाइए।

(3) पाठ में दिए गए दोहों से मिलते–जुलते भाव वाले दोहों या कहानियों को कक्षा में सुनाइए तथा इनसे मिलने वाली शिक्षा पर चर्चा कीजिए।

*****

छात्र प्रगति रिपोर्ट

शिक्षक/शिक्षिका विगत पाठों से छात्र की प्रगति को निम्न तालिका से अंकित करें। अधिगम संप्राप्ति लिखने के लिए पुस्तक के अंत में दी गई सूची से विवरण लें।

क्र.सं.	अधिगम संप्राप्ति	3.	2.	1.
		सक्षम है	सहायता से करता/करती है	सुधार की आवश्यकता है
1.	.....			
2.	.....			
3.	.....			
4.	.....			
5.	.....			
6.	.....			
7.	.....			
8.	.....			
9.	.....			
10	.....			

सीखने के प्रतिफल

हिंदी

बच्चे

1. दिए गए विषय पर अपनी कल्पना से मौलिक रचना करते है जैसे - कहानी, कविता, संस्मरण और पत्र आदि को मौखिक, लिखित रूप में व्यक्त करते हैं।
2. किसी पाठ्यपुस्तक की बारीकी से जांच करते हुए विशेष बिन्दु को खोजते, अनुमान लगाते व निष्कर्ष निकालते हैं।
3. किसी पाठ्यपुस्तकको सरसरी तौर पर पढ़कर विषय का अनुमान लगाते हैं।
4. विभिन्न परिस्थितियों और विषयों की बातचीत को सुनकर उसके विषय में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।
5. विभिन्न प्रकार की ध्वनियों को सुनने के अपने अनुभव (जैसे फेरीवाला, वाहन, पत्तियों की आवाज आदि) को अपने ढंग से मौखिक, लिखित रूप में प्रस्तुत करते हैं।
6. दूसरों द्वारा कही और लिखी गई बातों को अपने ढ़ंग से कहते और लिखते हैं।
7. भाषा की बारीकियों का ध्यान रखते हुए उनकों बोलने औरा लिखने में इस्तेमाल करते हैं जैसे कविता में - लय, ताल, आवृत्ति और कहानी में मुहावरे आदि।
8. विभिन्न प्रकार की लिखित सामग्री जैसे - कविता, एकांकी को उपयुक्त हाव-भाव, गति, व उतार-चढ़ाव के साथ पढ़ते हैं।
9. लेखन में संज्ञा, सर्वनाम, विलोम, लिंग, वचन विराम चिह्न, पूर्ण विराम चिह्न, अल्पविराम, प्रश्न चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।
10. विभिन्न प्रकार की कहानियों, कविताओं, समाचारों में आए प्राकृतिक, सामाजिक और अन्य संवेदनशील मुद्दों को समझते हैं और उस पर चर्चा करते हैं।
11. हिन्दी भाष में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार पत्र, पत्रिका, कहानी व अन्य साधनों से प्राप्त जानकारी, सामग्री आदि को समझ कर पढ़ते हें और उसमें अपनी पसंद और नापसंद बातों या रायों को व्यक्त करते हैं।
12. किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे - शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य वस्तुओं की मदद लेते हैं।

टिप्पणी